राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 281 रायपुर बुधवार 08 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

पटरी से उतरी मालगाड़ी, डिब्बे पलटकर एक-दूसरे पर चढ़े, राजस्थान में रेल संचालन बाधित

आखिरकार अरविंद केजरीवाल को हाईकोर्ट की सख्ती के बाद मिला सरकारी बंगला

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी से 4.30 घंटे हुई पूछताछ, 60 करोड़ के फ्रॉड मामले में ईओडब्ल्यू ने दर्ज किए बयान

मुंबई एजेंसी। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 60 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया है। एक अधिकारी के अनुसार, शिल्पा से लगभग 4 घंटे 30 मिनट तक पूछताछ की गई और उनके बयान को आधिकारिक रूप से रिकॉर्ड किया गया।

ईओडब्ल्यू की टीम ने यह पूछताछ शिल्पा शेट्टी के घर पर की। इस दौरान शिल्पा ने अपनी ऐडवर्टाइजिंग कंपनी के बैंक खाते से जुड़े लेनदेन की जानकारी दी और कई दस्तावेज भी पेश किए, जिन्हें अब पुलिस जांच रही है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा को कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यह कपल लुकआउट सर्कुलरके निलंबन के लिए कोर्ट पहुंचा था ताकि वे थाईलैंड के फुकेत में 2 से 5 अक्टूबर तक की अपनी यात्रा कर सकें। कपल की ओर से वकीलों ने बताया कि उनके पास यात्रा और ठहरने की पूरी बुकिंग है और उन्होंने पहले भी जांच एजेंसियों का सहयोग करते हुए विदेश यात्रा की है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने पर दिया जोर

देश में जल्द आएगा पहला रक्षा यूनिकॉर्न

एजेंसी

। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मनिर्भरता को बढ़ाने पर जोर दे रहा है। रक्षा पूंजी अधिग्रहण वित्तीय वर्ष 21-22 में 74,000 करोड़ रुपये ही था वह अब बढ़कर वित्तीय वर्ष 24-25 में 1.2 लाख करोड़ रुपये हो गया है। लिहाजा देश का पहला रक्षा यूनिकार्न (एक स्टार्टअप जिसका मूल्यांकन एक अरब डालर और उससे अधिक है) जल्द ही संभव है।

''रक्षा नवाचार संवादः आइडीईएक्स स्टार्टअप्स के साथ बातचीत'' कार्यक्रम में मंगलवार को राजनाथ सिंह ने बताया कि भारत ने साल 2024-25 के अंत तक घरेलू स्त्रोतों से 1,20,000 करोड़ रुपये के सैन्य उपकरण और हथियार खरीदे हैं। भारत की रक्षा में आत्मनिर्भरता एक नारे से बढ़कर एक आंदोलन बन गई है। नीति से लेकर प्रथा और नवाचार से लेकर प्रभाव तक, यह परिवर्तन हमारे शोधकर्ताओं, स्टार्टअप और युवा उद्यमियों के प्रयासों से संभव हुआ।

भारत में सौ से अधिक यूनिकार्न लेकिन रक्षा क्षेत्र में एक भी नहीं

राजनाथ सिंह ने स्टार्टअप को उच्च मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि भारत में सौ से अधिक यूनिकार्न हैं, लेकिन रक्षा क्षेत्र में एक भी नहीं है और उन्होंने उनसे इसे बदलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा,''भारत का पहला रक्षा यूनिकार्न आप में से किसी एक से उभरना चाहिए। यह न केवल आपके लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय होगा।'' उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में 1.5 लाख करोड़ रुपये के रिकार्ड-तोड़ रक्षा उत्पादन और 23,000 करोड़ रुपये से अधिक के निर्यात में नवोन्मेषकों के सामूहिक प्रयास की सराहना की।

भारत कैसे बनेगा 2047 तक विकसित देश?

रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में देश में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहलों को लागू किया है। इन पहलों के तहत सैन्य उपकरणों की खरीद में घरेलू स्त्रोतों को अब सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। राजनाथ सिंह ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए रक्षा क्षेत्र में लक्ष्यों की भी सूची दी। उन्होंने बताया कि पहला यह है कि हमें महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च स्तर की आत्मनिर्भरता प्राप्त करनी होगी। दूसरा, हमें रक्षा क्षेत्र में प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। तीसरा, भारत को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए हमें कुछ नई विशेष प्रौद्योगिकियों में प्रगति करनी होगी।

आज के युग में, जंग के मैदान से पहले, युद्ध, डेटा और एल्गोरिदम में लड़ा जाने लगा है। इसलिए फ्रंटियर टेक्नोलॉजी में हमें फिजिकल निवेश से कहीं अधिक, बौद्धिक निवेश करना होगा। इसलिए हमें नवाचार और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पर ज्यादा फोकस रखना होगा। यह बातें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज मंगलवार को 'देश में रक्षा निर्माण के अवसर', विषय पर आधारित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में कहीं।

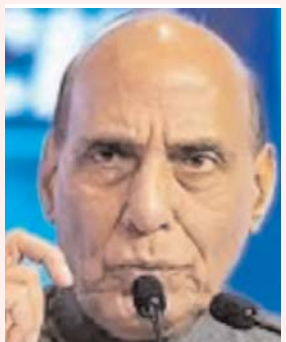

हमने कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखे हैं : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य कहीं बड़ा है। हमने कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखे हैं। 2029 तक हमें कम से कम 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन करना है और 50,000 करोड़ रुपए तक का रक्षा निर्यात करना है। इन सबके मद्देनजर, हम अपनी नीतियों में लगातार सुधार करते जा रहे हैं। यहां तक कि इस वर्ष, यानी 2025 को रक्षा मंत्रालय ने 'सुधार का वर्ष' ही घोषित किया हुआ है‍ जाहिर सी बात है, हमारे लक्ष्यों को सभी राज्यों और सभी केंद्र शासित प्रदेशों के सम्मिलित प्रयासों के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

रक्षा उत्पादन बढ़कर रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो चुका है

रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, हमारे द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ही यह प्रमाण है कि हमारा रक्षा उत्पादन 2014 में जहां मात्र 46,425 करोड़ रुपए हुआ करता था, वहीं आज यह बढ़कर रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो चुका है। इसमें से 33,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान निजी क्षेत्र से आना यह दर्शाता है कि आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान में निजी उद्योग भी भागीदार बन रहे हैं। इसी भागीदारी का परिणाम है कि भारत का रक्षा निर्यात, जो दस वर्ष पहले 1,000 करोड़ रुपए से भी कम था, आज वह बढ़कर रिकॉर्ड 23,500 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

प्रधानमंत्री मुंबई मेट्रो लाइन-3 के अंतिम चरण का उद्घाटन करेंगे

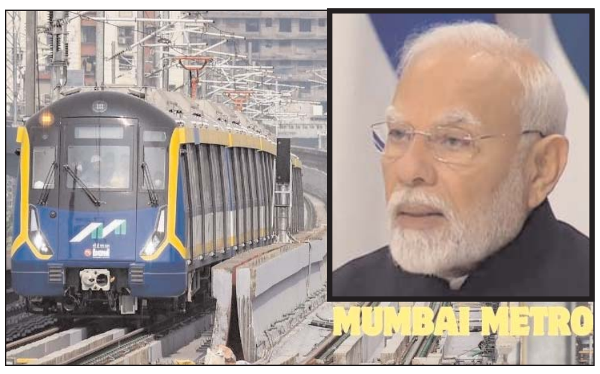

एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर महाराष्ट्र में रहेंगे, जहां वह कई परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी मुंबई मेट्रो की लाइन-3 (एक्वा लाइन) के अंतिम चरण और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वे ब्रिटिश प्रधानमंत्री से भी मुलाकात भी करेंगे।

मुंबई मेट्रो की लाइन-3 (एक्वा लाइन) 37,270 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनी है। मेट्रो लाइन 3 की लंबाई 33.5 किमी है, जो कि कफपरेड से आरे जेवीएलआर को कवर करेगी। खास बात ये है कि इस बीच कुल 27 स्टेशन होंगे। मेट्रो मंत्रालय, मरीन ड्राइव, नरीमन पॉइंट और आरबीआई जैसे प्रमुख स्थानों तक पहुंच को आसान बनाएगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस लाइन पर रोजाना 13 लाख से ज्यादा यात्री सफर कर सकते हैं। मुंबई मेट्रो की लाइन-3 नेहरू विज्ञान केंद्र, मुंबई सेंट्रल, कालबादेवी, हुतात्मा चौक, विधानभवन, महालक्ष्मी, चर्चगेट, सीएसएमटी, ग्रांट रोड, गिरगांव और कफपरेड स्टेशन से होकर गुजरेगी। मेट्रो के किराये की बात करें तो 3 किलोमीटर तक की यात्रा का शुरुआती किराया 10 रुपए रखा गया है, जबकि 3 से 12 किलोमीटर के लिए यात्रियों को 20 रुपए देने होंगे और 18 किलोमीटर पर 30 रुपए किराया देना होगा।

मोदी कैबिनेट ने इटारसी-भोपाल बीना के बीच चौथी लाइन सहित 4 नए रेलवे प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

एजेंसी

मंगलवार 7 अक्टूबर को पीएम मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट ने 4 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है. कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, सात रेलवे कॉरिडोर कुल रेल यातायात का 41 फीसदी हिस्सा वहन करते हैं.

हमने हाल ही में इन कॉरिडोर को मजबूत करने और और अधिक जोडने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं. उन्होंने कहा कि अब इन कॉरिडोर में फोर लेन और जहां संभव हो वहां 6 लेन बनाने का निर्णय लिया गया है. **इन 4 नए रेलवे प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी** कैबिनेट ने चार रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत लभगभ 24,634 करोड़ रुपये है. मंत्रिमंडल ने जिन परियोजनाओं को हरी झंडी दी है, उनमें महाराष्ट्र के वर्धा से भुसावल के बीच 314 किलोमीटर की दूरी को कवर करने वाली तीसरी और चौथी लाइन हैं. महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन, गुजरात के वडोदरा और मध्य प्रदेश में रतलाम के बीच 259 किमी लंबी तीसरी और चौथी लाइन और मध्य प्रदेश में इटारसी-भोपाल-बीना के बीच 84 किलोमीटर लंबी चौथी लाइन शामिल हैं.

भारत में कानून है, दादागिरी और गुंडाराज स्वीकार नहीं : किरेन रिजिजू

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने किया भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा

दार्जिलिंग/कोलकाता एजेंसी।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में भूस्खलन प्रभावित मिरिक का दौरा किया और स्थिति और चल रहे राहत कार्यों का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री के साथ दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिष्ट और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी थे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भाजपा सांसद और विधायक पर हुए हमले की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला ने पहले ही राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि

अगर भारत में कानून है, तो दादागिरी और गुंडाराज स्वीकार नहीं किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री का उत्तरी बंगाल का दौरा, जहां मूसलाधार बारिश के बाद हुए भूस्खलन में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई थी, संकट की इस घड़ी में उस क्षेत्र के लोगों की सहायता के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, स्थिति गंभीर है और कई लोगों की जान जा चुकी है। तत्काल राहत प्रदान करना अभी प्राथमिकता है। हम स्थिति का जायजा लेने के लिए यहां हैं। बाढ़ और भूस्खलन में बहुत नुकसान हुआ है और कई लोगों की जान चली गई है। हम आकलन कर रहे हैं। राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करने होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उत्तर बंगाल में हैं और स्थिति पर सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। उन परिवारों को सहायता प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और अपने घर भी खो दिए हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की दो विशेष राहत और बचाव टीमों तथा अन्य बलों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

बंगाल में अब बीजेपी विधायक मनोज कुमार उरांव पर हमला, सीआईएसएफ जवानों से भी मारपीट, तृणमूल कांग्रेस पर आरोप

एजेंसी। पश्चिम बंगाल में अब बीजेपी विधायक मनोज कुमार उरांव पर हमला हुआ है। कुमारग्राम से बीजेपी विधायक

मनोज कुमार ओरांव पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अलीपुरद्वार में बाढ़ राहत सामग्री वितरित करने गए थे उसी समय कुछ लोगों ने विधायक और बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं बीजेपी विधायक की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ कर्मचारियों से भी मारपीट की गई है। बीजेपी का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हमला किया है।

भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने तबाह कर दिए थे पाक के एफ-16, अमेरिका ने की थी गुप्त मदद'

नई दिल्ली संवाददाता

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तबाह हुई पाकिस्तानी वायुसेना को फिर से खड़ा करने के लिए अमेरिका ने गुप्त रूप से मदद का हाथ बढ़ाया है। हालांकि, इस सनसनीखेज दावे को लेकर किसी भी पक्ष से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई पहलगाम में हुए एक आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी, जिसके तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इस

ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना को भारी सैन्य क्षति उठानी पड़ी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में पाकिस्तान के एक साब ईरी 2000 AWACS (एयरबॉर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) विमान, एक लॉकहीड सी-130 परिवहन विमान और कम से कम चार एफ-16 लड़ाकू विमानों को नुकसान पहुँचा। इसके अतिरिक्त, कई रडार सिस्टम और एयर डिफेंस यूनिट्स के भी तबाह होने की बात कही गई है।

बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तानी वायुसेना के भोलारी एयरबेस को हुआ, जहाँ हैंगर में खड़ा एक एफ-16 विमान भी हमले की चपेट में आ गया था। रिपोर्ट में पाकिस्तानी रक्षा सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि भोलारी एयरबेस पर क्षतिग्रस्त हुए ईरी विमान की मरम्मत के लिए अमेरिकी वायुसेना के इंजीनियरों की एक टीम तत्काल पाकिस्तान पहुँची थी। इस मरम्मत और अपग्रेडेशन के काम के लिए पाकिस्तान द्वारा 400 से 470 मिलियन डॉलर की एक बड़ी राशि को गुप्त आपातकालीन फंड से मंजूरी दी गई थी।

विश्व

ने 4 लाख महिलाओं के साथ किया था रेप

पाकिस्तानी सेना की बबर्ता का काला चिट्ठा भारत ने यूएनएससी किया पर्दाफाश

नई दिल्ली. एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में महिलाओं की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर भारत ने पाकिस्तान पर कड़ा हमला बोला. यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान सिर्फ झूठ बोलकर पूरी दुनिया का ध्यान भटकाता है. उन्होंने पाकिस्तान में महिलाओं की दयनीय स्थिति को उजागर करते हुए 1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान की सेना ने करीब 4 लाख महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया था.

दरअसल, पर्वथनेनी हरिश ने यह बयान उस समय दिया जब NSC में महिला, शांति

और सुरक्षा को लेकर खुली बहस चल रही थी. यूएनएससी में यह बैठक हर साल होती है. इस बैठक में देश में महिलाओं की शांति स्थापित करने में भूमिका और उनकी सुरक्षा को लेकर चर्चा होती है.

दुनिया का ध्यान भटकाता है पाकिस्तान - यूएनएससी में बहस के दौरान हरीश ने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि यूएन में हर साल पाकिस्तान भारत की कड़ी आलोचना करता है. उन्होंने कहा कि खासकर जम्मू-कश्मीर को लेकर, जिसे वह हथियाना चाहता है और जिसको लेकर अक्सर हमले करता रहता है. हरीश ने कहा कि पाकिस्तान वह देश है जो अपने ही देश पर बमबारी करता है और नरसंहार करता है. उन्होंने कहा कि ऐसा देश केवल दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश कर सकता है.

महिलाओं से सामूहिक बलात्कार

हरीश ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान में हुए ऑपरेशन सर्चलाइट का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान वही देश है जिसने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया था और अपनी ही सेना द्वारा अपने ही देश के कई नागरिकों को मार दिया गया था. उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, करीब 4 लाख महिलाओं के साथ पाकिस्तान की सेना ने सामूहिक बलात्कार किया था. हरीश ने कहा कि दुनिया अब पाकिस्तान के इस झूठे प्रचार को समझ गई है।

बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना को निशाना बना उड़ाई ट्रेन, 6 डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी।

इस्लामाबाद.

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर हमला हुआ है. यह हादसा सिंध के सुल्तानकोट के पास हुआ, जब ट्रेन के ट्रैक पर लगाया गया विस्फोटक उपकरण (आईईडी) जोरदार धमाके से फट गया. धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि ट्रेन की पांच से छह बोगियां पटरी से उतर गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई. बताया जा रहा है कि कई यात्री घायल हुए हैं और कुछ की हालत गंभीर है. धमाके के बाद फायरिंग की आवाजें भी सुनी गईं. इस हमले की जिम्मेदारी बलूच रिपब्लिक गार्ड्स (बीलए) नामक विद्रोही संगठन ने ली है. संगठन ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि 'हमने सुल्तानकोट के पास जाफर एक्सप्रेस पर रिमोट-कंट्रोल IED विस्फोट किया. ट्रेन में पाकिस्तानी

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को निशाना बनाया गया है। बलूच विद्रोही संगठन ने क्वेटा जा रही ट्रेन पर सुल्तानकोट इलाके के पास IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से हमला किया, जिससे एक बड़ा धमाका हुआ। धमाके के कारण ट्रेन के 6 डिब्बे पटरी से उतर गए और इस घटना में कई लोगों के घायल होने की खबर है। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच विद्रोही संगठन 'बलोच रिपब्लिक गार्ड्स' ने ली है। संगठन ने एक बयान जारी कर कहा है कि ट्रेन को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उसमें पाकिस्तानी सेना के जवान सवार थे। बयान में दावा किया गया है, ट्रेन पर उस वक्त हमला किया गया, जब उस पर पाकिस्तानी सेना के जवान सवार थे। इस विस्फोट में पाकिस्तानी सेना के कई लोग मारे गए हैं और कुछ घायल हुए हैं। विद्रोही संगठन ने भविष्य में भी ऐसे हमले जारी रखने की धमकी दी है और कहा है कि बलूचिस्तान की आजादी तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

सेना के जवान सवार थे, जिनमें से कई मारे गए या घायल हुए. बीएलए ने यह भी दावा किया कि बलूचिस्तान की आजादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे.

राहत और बचाव कार्य जारी, रेल सेवा ठप - हमले के तुरंत बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया. सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी है. फिलहाल इस रूट पर रेल सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं. अधिकारियों का कहना है कि यह हमला पहले से प्लांट किए गए बम से किया गया था. आपको बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया हो. इस साल मार्च से अब तक इस ट्रेन पर कई बार आतंकी हमले हो चुके हैं। सितंबर में मस्तुंग के स्पिजेंड इलाके में हुए हमले में 10 से ज्यादा यात्री घायल हुए थे. मार्च 2025 में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इसी ट्रेन को हाईजैक कर 400 से ज्यादा यात्रियों को बंधक बना लिया था. उस हमले में कई लोगों की जान भी गई थी.

बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने बढ़ाई चिंता - बलूचिस्तान पाकिस्तान का वह इलाका है, जहां सरकार विरोधी विद्रोह लंबे समय से जारी है. विद्रोही समूह सुरक्षा बलों, ट्रांसपोर्ट और रेल सेवाओं को निशाना बनाकर अपना विरोध जताते हैं. बार-बार हो रहे इन हमलों से यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और पाकिस्तान सरकार पर सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो गई है.

अमेरिका में उड़ान भरते ही आग का गोला बना हेलीकॉप्टर, हाईवे पर क्रैश होने से 3 गंभीर रूप से घायल

कैलिफोर्निया ,एजेंसी।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में सोमवार शाम एक हेलीकॉप्टर के क्रैश हो जाने से हड़कंप मच गया। यह हादसा सैक्रामेंटो में हुआ जब एक मेडिकल हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के तुरंत बाद हवा में ही आग का गोला बन गया और नेशनल हाईवे 50 पर जा गिरा। इस घटना में हेलीकॉप्टर में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, यह हेलीकॉप्टर एक इमरजेंसी मेडिकल सर्विस का था और उसने पास के ही एक अस्पताल से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हेलीकॉप्टर अनियंत्रित हो गया और आसमान में आग के गोले में तब्दील होकर नीचे आ गिरा। घटना की सूचना मिलते ही फायर विभाग की गाड़ियां और बचाव दल मौके पर

पहुंच गए।

सैक्रामेंटो की मेयर केविन ने इस घटना को बेहद भयानक बताया है। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे 50 पर हेलीकॉप्टर गिरा था, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए तीनों लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, हेलीकॉप्टर क्रैश होने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और स्थानीय पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के डीजीएन डिवीजन के 3 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति तथा गरियाबंद पुलिस के समर्पण के लिए अपील से प्रभावित होकर आज

गरियाबंद, । नागेष उर्फ रामा कवासी, 01 लाख ईनामी माओवादी द्वारा हथियार सुरका के साथ आत्मसमर्पण। ओडिसा स्टेट कमेटी सदस्य- प्रमोद उर्फ पाण्डु के गार्ड-जैनी उर्फ देवे मडकम (पार्टी सदस्य) 01 लाख ईनामी एवं सीनापाली एरिया कमेटी (पार्टी सदस्य) मनीला उर्फ सुंदरी कवासी, 01 लाख ईनामी माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत शासन की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति तथा गरियाबंद पुलिस के समर्पण हेतु अपील से प्रभावित होकर आज प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के डीजीएन डिवीजन के 03 माओवादियों द्वारा हिंसा एवं विनाष के मार्ग को त्याग कर आत्मसमर्पण किया जा रहा है। आत्मसमर्पित माओवादियों का विवरण निम्नानुसार है-

(01) नागेश उर्फ रामा कवासी - ऽ ग्राम तर्रेम, थाना-तर्रेम, जिला बीजापुर का निवासी है।

ऽ वर्ष 2022 में पामेड एरिया कमेटी-डीव्हीसी (पाण्डू) माओवादी द्वारा नक्सल संगठन में भर्ती कराया गया। वर्ष 2023 को ग्राम पामेड से लगे ग्राम रायुम के जंगल में इसे तथा अन्य 20 नये लोगो को 06 माह तक प्रषिक्षण दिया गया। प्रषिक्षण उपरांत इसे और सलीम को इंद्रावती क्षेत्र में भेजा गया जहां एक माह तक रहे। बाद माड भेजे जहां पर सीसी-मनोज सहित अन्य बडे माओवादी मीटिंग के लिये उपस्थिति हुये थे। नवंबर/2023 सीसी-मनोज ने इसे माड से कांकेर-रावस-धमतरी होते हुये गरियाबंद लेकर आया। यहां आने के बाद इसे डीव्हीसी-डमरू के गार्ड के रूप में कार्य करने को कहा गया तब से लेकर उसके गार्ड के रूप काम किया। गरियाबंद अंतर्गत माओवादियों के डीजीएन डिवीजन में सक्रिय रहने के दौरान जिला धमतरी के ग्राम एकावरी मुठभेड में शामिल रहा जिसमें माओवादी सिंघु घायल हुयी थी जो कुछ दिन बाद जंगल से गिरफ्तार हो गयी तथा दिनांक 11.09.2025 को ग्राम मेटाल मुठभेड हुआ जिसमें तीन बडे माओवादी सहित 10 नक्सलियों के मारे जाने की प्रमुख घटना शामिल रहा।

(02) जैनी उर्फ देवे मडकम - ग्राम-इतगुडेम, पंचायत पालागुड़ेम, तहसील-आवापल्ली, जिला बीजापुर के रहने वाली है। वर्ष 2016 में 16 साल की उम्र में पूरे वर्ष भर जनमिलिषिया में कार्य किया। वर्ष 2017 को पामेड एरिया कमेटी के मनीला (डीव्हीसी) द्वारा इसे संगठन में सदस्य के रूप में भर्ती कराया गया। माओवादी संगठन में शामिल होने के बाद लगभग 04 माह पामेड क्षेत्र में रही इसी दौरान 08 दिनो तक प्रषिक्षण दिया गया। मई 2017 को गरियाबंद में सक्रिय माओवादी पुनीत उर्फ रूपेष जो पामेड क्षेत्र में आया था, जिन्होने इसे और अन्य 07 नये माओवादी कैडरों को दक्षिण बस्तर-पष्चिम बस्तर-उत्तर बस्तर होते हुये धमतरी से गरियाबंद लेकर आया। जून 2017 को गरियाबंद पहुंचने बाद सीसी-संग्राम द्वारा इसे ओडिसा स्टेट कमेटी सदस्य-पाण्डु उर्फ प्रमोद के गार्ड के रूप में कार्य करने को कहा गया तब से उसके गार्ड के रूप में कार्य कर रही थी। अक्टूबर 2017 को ओडिसा क्षेत्र चले गये, ओडिसा से दिसम्बर 2023 को वापस गरियाबंद आये। ओडिसा के ग्राम कुनासोर राहुल क्षेत्र में मुठभेड हुआ जिसमें सावित्री नामक नक्सली मारी गई, वर्ष 2019 को ग्राम नुलुगुम्पा के पास मुठभेड हुआ जिसमें 02 माओवादी पदमा, कमला मारी गई, ग्राम सुराडीह के पास मुठभेड हुआ जिसमें एक पुलिस जवान घायल हुआ, ग्राम कोलोमपारा मुठभेड हुआ जिसमें अजय को गोली लगा था। छ0ग0 के ग्राम एकावरी जिला धमतरी में मुठभेड हुआ जिसमें नीतू वेडदा मारी गई, मई 2025 को ग्राम मोतीपानी थाना शोभा में मुठभेड हुआ जिसमें डीव्हीसी-योगेष मारा गया तथा दिनांक 11.09.2025 को मेटाल मुठभेड हुआ जिसमें तीन बडे माओवादी सहित 10 नक्सली मारे जाने जैसे प्रमुख माओवादी घटना में शामिल रही है।

(03) मनीला उर्फ सुंदरी कवासी - ग्राम- जैगूर, पंचायत-जैगूर, थाना- भैरमगढ, जिला बीजापुर की निवासी है। गांव में बाल संगठन एवं चेतना नाट्य मंच में कार्य कर रही थी। जुलाई 2020 को इसे तथा गांव के अन्य 02 लोगो को रमेष- माटवाडा एरिया कमेटी कमाण्डर ने भर्ती कराया। भर्ती होने के बाद नक्सली लोग इसे ग्राम कोटमेटा में कृषि कार्य के लिये भेज दिये जहां जनवरी 2021 तक रहकर कार्य किया। जनवरी 2021 को नक्सली कमाण्डर-रमेष इसे वहां से वापस एरिया कमेटी लेकर आया उसके बाद डीव्हीसी-सोनू द्वारा ओडिसाराज्य में विस्तार के लिये इसे सीतानदी (धमतरी) तक छोडने आये जहां से सत्यम गावडे लोग इसे गरियाबंद लेकर आया। फरवरी 2021 से नवम्बर 2021 तक रीजनल कमेटी के साथ रहकर गरियाबंद-ओडिसा सीमा के ग्राम ताराझर, दडईपानी, भालूडिग्गक्षेत्र में कार्य किया।

बोलेरो और ट्रक में भीषण टक्कर, 5 लोगों की मौत

हादसा रायपुर–जबलपुर नेशनल हाईवे 30 पर

कवर्धा, संवाददाता। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां बोलेरो और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई घटना से इलाके में अफरा तफरी मच गई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई है। यह दर्दनाक हादसा रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे 30 के अकलघरिया गांव के पास, चिल्फी थाना क्षेत्र में हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, बोलेरो कोलकाता से मध्यप्रदेश की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे ट्रक से इसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 5 लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत डायल 112 की मदद से बोड़ला सामुदायिक केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद तीन गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग टनल एक साल में पूर्ण

रायपुर से विशाखापट्टनम तक का सफर अब होगा आसान

रायपुर,। छग के बुनियादी ढांचे में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हाल ही में दर्ज की गई है। छग के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सतत प्रयासों के चलते नेशनल हाइवे अथार्रिटी ऑफ इंडिया को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडगरी के निर्देश पर छग में रायपुर से विशाखापट्टनम तक सीधा टनल (सुरंग) निर्माण के लिए अर्धसंरचना विकास निगम के माध्यम से पर्याप्त राशि उपलब्ध करायी गई थी जिसके चलते सिर्फ 12 महीनों में टनल का कार्य पूर्ण हो गया है। छग एवं आंध्रप्रदेश को जोड़ने वाली रायपुर, विशाखापट्टनम राष्ट्रीय राजामार्ग में निर्मित टनल से आवाजाही शुरू होने से दोनों राज्यों के आमजनों का सफर अब आसान हो गया है। उक्त कदम से राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा मिली है। 2.79 किमी लंबी है टनल रायपुर विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारे को रोशनी से भरपूर दोनों राज्यों के आर्थिक विकास की दिशा में नींव का पत्थर साबित होगी। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा अभनपुर बायपास का निर्माण भी जोरशोर से जारी है। ट्वीन टनल का कार्य पूरा होते ही जहां रायपुर विशाखापट्टनम मार्ग की दूरी में कमी आएगी। वहीं दोनों राज्यों का सीधा संपर्क होने से विकास की नई संभावनाएं बलवती हुई हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने टनल निर्माण पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि उक्त टनल के निर्माण से समृद्ध और सशक्त छग की नींव भविष्य के लिए डल गई है। यह सड़क एवं परिवहन अर्धसंरचना के विकास का मील का पत्थ्थर साबित होगा। टनल निर्माण से जहां छग के पर्यटन उद्योग को गति मिलेगी। वहीं सांस्कृतिक एवं आर्थिक जुड़ाव के नये अवसर भी खुलेंगे। साय ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उक्त टनल निर्माण के लिए कोटि कोटि बधाई दी है।

अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, हाईवे किनारे 22 दुकानों वाले कॉम्प्लेक्स को किया गया जमींदोज

गरियाबंद, जिला प्रशासन ने सोमवार सुबह गरियाबंद मुख्यालय में बड़ी कार्रवाई करते हुए नेशनल हाइवे किनारे बने एक अवैध व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स को ध्वस्त कर दिया। यह निर्माण कार्य नगर पालिका से बिना स्वीकृति के कब्रिस्तान से सटी जमीन पर किया गया था, जिसमें कुल 22 दुकानें बनाई गई थीं। नगर पालिका द्वारा की गई जांच और प्रतिवेदन के आधार पर गरियाबंद के एसडीएम ने इस निर्माण को अवैध करार दिया था, जिसके बाद आज इसे गिरा दिया गया। कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी। एडीएम पंकज डाहिरे की निगरानी में दो एसडीएम, दो तहसीलदार, दो नायब तहसीलदार सहित राजस्व और नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इस कार्रवाई में छह से अधिक राजपत्रित अधिकारियों ने भाग लिया। शहर में सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज़ से 200 से अधिक पुलिस जवानों को अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया गया था। पुलिस बल ने रातभर सतर्कता बरती ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। वहीं दूसरी ओर, इस कार्रवाई के खिलाफ प्रभावित पक्ष ने राजस्व मंडल में अपील दाखिल की है। प्रशासन द्वारा कार्रवाई से पहले संबंधित पक्ष से बातचीत कर उनका पक्ष जानने की कोशिश भी की गई थी। अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे ने पूरे अभियान की पुष्टि की है और इसे नियमानुसार की गई कार्रवाई बताया है। जिले भर में प्रशासन पूरी तरह सतर्क था और लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए गए।

आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या से मिल कर निपटेंगे निगम के साथ स्ट्रे सेफफाउंडेशन

नसबंदी एवं टीकाकरण अभियान की होगी पहल।

जगदलपुर)। शहर में आवारा कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण, टीकाकरण, सुरक्षा और जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महापौर संजय पांडे ने स्ट्रे सेफ फाउंडेशन के डॉग शेल्टर का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के सदस्यों के साथ बैठक कर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। आवारा कुत्तों की संख्या, उनके टीकाकरण, देखभाल और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संस्था ने नगर निगम से एक उपयुक्त भूमि आबंटन की मांग की है, जहाँ एक समर्पित डॉग शेल्टर का निर्माण कर नसबंदी और टीकाकरण की परियोजनाओं को नियमित रूप से संचालित किया जा सके।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर में आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करना, रेबीज़ जैसी संक्रामक बीमारियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और पशुओं को सुरक्षित एवं स्वच्छ आश्रय प्रदान करना है। महापौर ने सामाजिक और जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए नगर निगम की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही, जल्द ही एक छोटे स्तर के डॉग शेल्टर (शेड) के निर्माण कार्य को प्रारंभ करने पर सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में स्ट्रे सेफ फाउंडेशन के प्रमुख सदस्य लुकेश जगत, सौरभ अहलूवालिया, नीरव मोतीवाला, आकाश यादव, राहुल पांडे और शिवांगी सिंह उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

महापौर संजय पांडे के मार्गदर्शन में नगर निगम एवं स्ट्रे सेफफाउंडेशन मिलकर शहर में कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं को आगे बढ़ाएंगे। यह संयुक्त प्रयास न केवल कुत्तों के लिए एक सुरक्षित आश्रय सुनिश्चित करेगा, बल्कि नागरिकों और पशुओं – दोनों के लिए सहअस्तित्व और सुरक्षा की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

रायपुर, संवाददाता

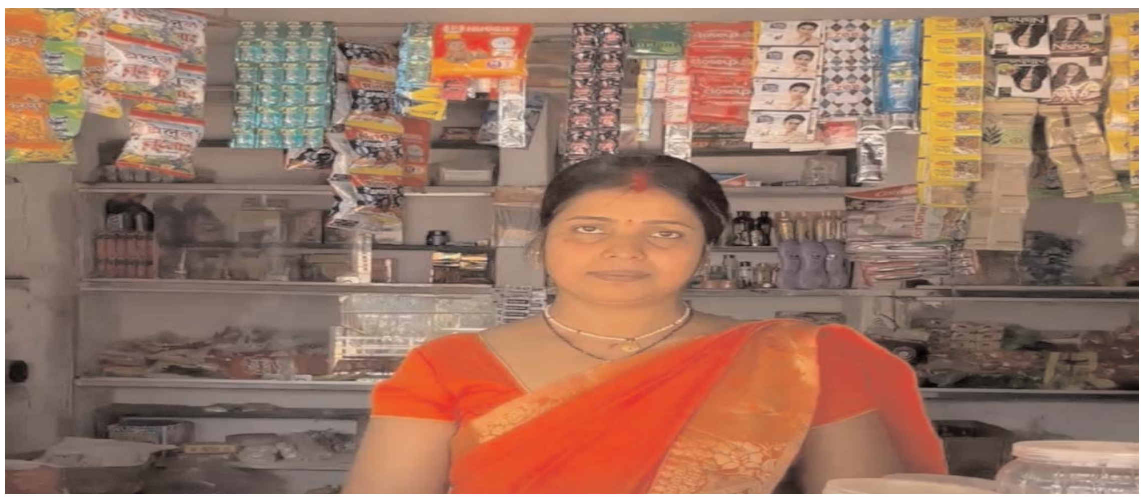

पिंकी ने अपने किराना व्यवसाय को आगे बढ़ाने का सपना देखा. इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने पीएम मुद्रा लोन के तहत 70 हजार रुपये का स्वयंसिद्धा लोन लिया और अपनी दुकान का विस्तार किया. दुकान बड़ी होने से न केवल उनकी आय बढ़ी, बल्कि ग्राहकों का विश्वास और पहुँच भी मजबूत हुई और वह आर्थिक विकास करने साथ ही आत्मनिर्भर बन गई. प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक नई उम्मीद जगाई है. इस योजना के जरिए महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपने व्यवसाय की शुरुआत कर अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं. जशपुर जिले के मनोरा विकासखंड की ग्राम पंचायत मनोरा की रहने वाली श्रीमती पिंकी सोनी बिहान महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं. समूह से जुड़ने के बाद उन्हें शासन की योजनाओं की जानकारी मिली और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ.

कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध*

पिंकी सोनी कहती हैं ÷समूह से जुड़ने के बाद मेरे जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है. छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं की जानकारी मिली और आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी हासिल हुआ.÷ प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना का उद्देश्य स्वयं .सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है. यह योजना स्वयं .सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर सक्षम बनाना है.

बिहान महिला स्व सहायता समूह से मिली मदद – प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लक्ष्य छोटे व्यवसायों और उद्यमियों के बीच उद्यमशीलता गतिविधियों को बढ़ावा देना है. यह योजना विभिन्न चरणों में व्यवसायों को पूरा करने और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान करता है. इस योजना का लाभ लेकर आज पिंकी जी अपने परिवार की मजबूत आर्थिक सहारा बनी हैं. उनकी मेहनत और बिहान महिला स्व-सहायता समूह से मिली मदद ने उन्हें आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाया है. इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद भी दिया हैं.

भिलाई इस्पात संयंत्र से भी जुड़े थे लिमतरा के चारों राम

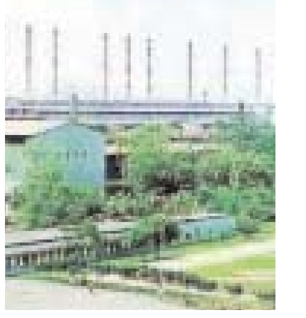

भिलाईनगर,। सांस्कृतिक दृष्टि से छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले का गाँव लिमतरा बेहद चर्चित है। यह चार ऐसे कलाकारों का गाँव है, जो अपने गाँव की रामलीला मंडली में दशहरे के मौके पर अलग -अलग काल-खण्डों में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भूमिका निभाते रहे । आगे चलकर ये चारों कलाकार इस जिले में स्थित भारत के प्रमुख औद्योगिक तीर्थ भिलाई इस्पात संयंत्र से भी जुड़े और उसे अपनी सेवाएँ दीं । इन कलाकारों में से एक छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय कवि स्वर्गीय पंडित दानेश्वर शर्मा ने आज से लगभग अस्सी साल पहले लिमतरा की रामलीला में भगवान श्रीराम की भूमिका निभाई थी। उनके अलावा स्वर्गीय पंडित दानी प्रसाद शर्मा भी वहाँ राम की भूमिका निभाते थे । वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा सहित पंडित पुरुषोत्तम शर्मा (निरंजन महाराज) ने भी अलग -अलग समय में इस गाँव की रामलीला में भगवान श्रीराम का किरदार निभाया था। इस वर्ष दशहरा पर्व में पंडित पुरूषोत्तम शर्मा और साहित्यकार डॉ.परदेशीराम वर्मा ने लिमतरा में आयोजित विचार गोष्ठी में ग्रामीणों के साथ इन पुरानी यादों को साझा किया । गोष्ठी में स्वर्गीय पंडित दानेश्वर शर्मा और स्वर्गीय पंडित दानी प्रसाद शर्मा को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई ।इस अवसर पर डॉ. परदेशीराम वर्मा ने पंडित पुरुषोत्तम शर्मा (निरंजन महाराज) को अपनी आत्मकथा ' सुरंग के उस पार ' की सौजन्य प्रति भेंट की । डॉ. वर्मा ने कहा कि लिमतरा दुर्ग जिले का वह गाँव है जहॉं की रामलीला मंडली की हमेशा धूम रहती थी । आज भी रामलीला का मंचन वहॉं होता है। इस गाँव में महेश वर्मा का सांस्कृतिक दल 'लोकमया' तथा गोकुल वर्मा का सांस्कृतिक दल 'सोनहा धान' का गठन पचीस वर्ष पूर्व हुआ था। दोनों सांस्कृतिक संस्थाएँ आज भी गतिशील और चर्चित हैं ।शिक्षा, चिकित्सा क्षेत्र के बहुत नामी व्यक्तियों का यह गाँव साहित्यकारों का गाँव भी माना जाता है। गोष्ठी का संचालन नीतीश वर्मा ने किया। गायत्री परिवार के स्थानीय प्रमुख रामलाल यादव सहित श्रीमती स्मिता वर्मा, नारायण शर्मा, राजेन्द्र, सुन्दर पटेल और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की पहल पर जशपुर को पहली बार मिला 61 करोड़ का सीएसआर फंड

इससे अस्पताल और तीरंदाजी केंद्र और स्कूल भवनो का होगा निर्माण

0 6 करोड़ 19 लाख से होगा आठ स्कूलों भवनों का निर्माण

0 दो साल में विकास की नई उंचाई छू रहा है जिला

जशपुरनगर, संवाददाता। लगभग दो साल पहले जब जशपुर के बगिया के श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हाला था तो जिलेवासियों को पिछड़ेपन से मुक्ति की नई उम्मीद जागी थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले जिला प्रवास के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को वायदा भी किया था कि जिले के विकास की ऐतेहासिक रोडमैप तैयार की जाएगी। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने तेजी से कदम बढ़ा रहे है।इसी का नतीजा है कि जशपुर जिले को पहली बार सीएसआर फंड से 61 करोड़ की राशि विकास कार्यो के लिए आबंटित की गई है। इस राशि से जिले में स्वास्थ्य सुविधा,शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचा विकसीत करने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

35 करोड़ से बन रहा है आधुनिक अस्पताल – जिला मुख्यालय जशपुर में 35 करोड़ से सौ बिस्तर की क्षमता वाली अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन स्व जगदेव राम उरांव स्मृति चिकित्सालय को संचालित करने की जिम्मेदारी वनवासी कल्याण आश्रम को दी गई है। 17 करोड़ से तैयार होने वाला इस अस्पताल के भवन निर्माण का कार्य रायगढ़ रोड में कल्याण आश्रम अस्पताल के प्रांगण में तेजी से चल रहा है। अगले साल 2026 तक इस भवन का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 18 करोड़ की राशि इस आधुनिक अस्पताल में आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों और भौतिक संसाधन जुटाने के लिए किया जाएगा। इस अस्पाताल में मरीजों के लिए सीटी स्कैन, एमआरआई, आईसीयू, आईसीसीयू, डायलिसिस, आपातकालिन चिकित्सा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अस्पताल के लिए चिकित्सा,नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ के लिए भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। अस्पताल के चालू हो जाने से जिलेवासियों को उपचार के लिए अंबिकापुर,रांची,झारसुगड़ा,रायपुर जैसे दूरस्थ शहर की दौड़ लगाने से मुक्ति मिल सकेगी।

20 करोड़ से तैयार होगा तीरंदाजी केंद्र –

सीएसआर फंड से जिले में तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए 20.53 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। एनटीपीसी के सीएसआर फंड से इस तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए जिला प्रशासन ने सन्ना में जमीन तय कर ली है। इस आवासिय तीरंदाजी केंद्र में खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का लक्ष्य दिवंगत कुमार दिलीप सिंह जूदेव के सपने का मूर्त रूप देते हुए पहाड़ी कोरवाओं के धर्नुविद्या को निखार कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल प्राप्त करना है। वर्तमान में खनिज न्यास निधि के सहयोग से एकलव्य अकादमी का संचालन किया जा रहा है। इस अकादमी में तीरंदाजी के साथ ताईक्वांडो और तैराकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सन्ना में तीरंदाजी केंद्र के शुरू हो जाने से जिले के खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधनों से लैस बड़ी सुविधा मिल सकेगी। जिससे खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की चमक बिखेरने का अवसर मिल सकेगा।

बस्तर की लोक संस्कृति की झलक दिखाई कलाकारों ने लोकोत्सव में

दूसरे दिन संगीत और संस्कृति का शानदार संगम

जगदलपुर, शहर के लालबाग में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव के दूसरे दिन का आयोजन संगीत और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। सारेगामा फेम गायिका रूपाली जग्गा ने अपनी मनमोहक आवाज में एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके गीतों पर दर्शक झूम उठे और पूरा आयोजन स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा एवं दर्शकों ने मोबाइल के टार्च से गायिका का उत्साहवर्धन किया ।

कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने भी पारंपरिक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य और गीतों के माध्यम से बस्तर की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इसके अलावा स्कूली छात्र-छात्राओं, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दृष्टि एवं श्रवण बाधित स्कूल के बच्चों ने भी शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर कलेक्टर हरिस एस, एसपी शलभ सिन्हा सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी की सिरप देना पूर्णतः प्रतिबंधित

० छत्तीसगढ़ के सभी जिलों को निर्देश जारी

० औषध निर्माण इकाइयों और मेडिकल स्टोर्स पर निगरानी तेज

रायपुर, । भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार की खांसी की सिरप या सर्दी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही, यह दवाएं सामान्यतः पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भी अनुशंसित नहीं हैं। यह कदम शिशुओं को संभावित दुष्प्रभावों से बचाने और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एडवाइजरी जारी होते ही छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) तथा सिविल सर्जनों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार की इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा इस संबंध में एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सभी जिलास्तरीय विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि खांसी या सर्दी की दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय परामर्श पर आधारित होना चाहिए, तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश मामलों में बच्चों में खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियाँ अपने आप ठीक हो जाती हैं और इसके लिए दवा देना आवश्यक नहीं होता। इसलिए आम जनता को भी डॉक्टर की सलाह के बिना बच्चों को दवाएं न देने के प्रति जागरूक किया जाएगा। कड़ी निगरानी में है औषधि आपूर्ति प्रणाली छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन (सीजीएमएससी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन दो कंपनियों के विरुद्ध अन्य राज्यों में कार्रवाई की गई है, उनकी राज्य में किसी भी प्रकार की सरकारी आपूर्ति नहीं रही है।

ये कंपनियाँ सीजीएमएससी के डेटाबेस में पंजीकृत भी नहीं हैं। यह तथ्य राज्य में सरकारी स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता और सतर्कता की पुष्टि करता है। निर्माण इकाइयों और निजी औषधालयों का निरीक्षण तेज भारत सरकार के स्वास्थ्य सचिव द्वारा 5 अक्टूबर को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के पश्चात, छत्तीसगढ़ में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने भी निगरानी और कार्रवाई को तेज कर दिया है। राज्यभर में औषध निर्माण इकाइयों का जोखिम-आधारित निरीक्षण करने हेतु औषधि निरीक्षकों के दल गठित किए गए हैं। प्रदेश के सभी सहायक औषधि नियंत्रकों और औषधि निरीक्षकों को पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि वे सभी औषधि विक्रय संस्थानों का तत्काल निरीक्षण करें, ताकि एडवाइजरी के उल्लंघन की कोई संभावना न रहे। इसके साथ ही निजी फार्मेसियों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया जा रहा है। इन कार्यवाहियों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों के संदर्भ में किसी भी प्रकार की दवाओं का अनुचित या असावधानीपूर्वक उपयोग पूर्णतः बंद हो। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे बिना चिकित्सकीय परामर्श के अपने बच्चों को कोई भी दवा न दें।

शंकर नगर में नाबालिगों ने चुराई स्कोडा कार, अगली सुबह क्षतिग्रस्त हालत में मिली

रायपुर, । राजधानी के शंकर नगर क्षेत्र में कार चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिसमें दो नाबालिगों ने घर के बाहर खड़ी एक स्कोडा कुशाक कार को चोरी कर लिया। घटना 4 अक्टूबर की रात की है, जबकि अगली सुबह कार रायपुर-महासमुंद मार्ग के तुमगांव इलाके में क्षतिग्रस्त अवस्था में मिली। कार मालिक मिलन चंद गाईन ने बताया कि रात करीब 11 बजे उनके पिता ने कार (क्रमांक छ्त्र04क्च9472) को शंकर नगर सेक्टर-2 स्थित घर के बाहर खड़ा कर लॉक किया था। लेकिन सुबह करीब 6:40 बजे जब देखा गया तो वाहन गायब था। परिवार ने आसपास तलाश की, लेकिन कार का कोई पता नहीं चला। इस दौरान कार से जुड़ी सुरक्षा प्रणाली के जरिए मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया, जिससे चोरी का शक गहराया। इसके बाद तुरंत सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए वाहन को बरामद कर लिया है और दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। चोरी की पूरी वारदात का एक *सीसीटीवी फुटेज* भी सामने आया है, जिसमें दो युवक रात के अंधेरे में कार चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने फुटेज के आधार पर पहचान कर त्वरित कार्रवाई की। कार की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस दोनों नाबालिगों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं यह किसी गिरोह से जुड़ा मामला तो नहीं।

बिना एरियर महंगाई राहत के आदेश होने पर पेंशनर्स नाराज

रायपुर, । भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश ने विगत शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार से पेंशनरों और परिवार पेंशनरों हेतु एरियर सहित 5त्न प्रतिशत डीआर के आदेश तुरंत जारी करने की मांग की गई। बैठक में बिना एरियर के आदेश जारी करने पर इसके विरोध में पूरे प्रदेश में डीआर आदेश का होली जलाने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पेंशनरों को डीआर देने के आदेश जारी करने में जानबूझकर अनावश्यक विलंब कर पेंशनरों के साथ घोर अन्याय किया जा रहा है। जबकि राज्य में पेंशनरों को छोड़कर कर्मचारियों के लिए बिना एरियर 2त्न प्रतिशत मंहगाई भत्ता के आदेश 25 अगस्त को बहुत पहले जारी कर चुकी है परंतु उसके बाद से अपनी बारी का पेंशनर इंतजार कर रहे है नवरात्रि और दशहरे के पहले मिलने की आस टूटने के बाद अब दिवाली के पहले आदेश का भरोसा कर रहे है। जनवरी का 2त्न प्रतिशत अभी बकाया है और अब केंद्र सरकार ने जुलाई से 3त्न प्रतिशत वृद्धि कर दिया है। इस तरह अब राज्य को केंद्र के समान 5त्न प्रतिशत डीआर पेंशनरों को देना है मगर सरकार की चुप्पी से हैरानी हो रही है। बैठक में नवंबर माह में जन्म लिए आजीवन सदस्य क्रमशः आर के दीक्षित, भीमराव जाम्हले,मालिक राम वर्मा और आर के टंडन को पौधा भेंट कर पुष्पहार पहना कर उनके स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर बैठक में पूरन सिंह पटेल, जेपी मिश्रा, अनिल गोल्हानी, टी पी सिंह,लोचन पाण्डे, आर जी बोहरे, ओ डी शर्मा, एम एन पाठक, बी एस दसमेर, अनिल पाठक, आर के साहू ,नरसिंग राम, शैलेन्द्र सिन्हा, नागेन्द्र सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किए। आज जारी विज्ञप्ति में आगे बताया गया है कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनर्स की मुख्य समस्या केंद्रीय गृह विभाग के एक्ट मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 में धारा 49 को विलोपित करने की मांग को लेकर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके छत्तीसगढ़ प्रवास पर मिलना चाहता था।

शराब घोटाला मामलाः चैतन्य बघेल 13 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में, 8 अक्टूबर को होगी जमानत

रायपुर, छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद सोमवार को एसीबी-ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें *13 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत* में भेजने का आदेश दिया है। इससे पहले आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने चैतन्य बघेल को 13 दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी। रिमांड समाप्त होने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

चैतन्य बघेल की ओर से कोर्ट में *जमानत याचिका* भी दाखिल की गई है, जिस पर *8 अक्टूबर को सुनवाई* निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी अदालत पहुंचे और बेटे से मुलाकात की। उन्होंने अपने बेटे और कानूनी टीम से मामले की जानकारी ली। बचाव पक्ष के वकील फैज़ल रिज़वी ने बताया कि चैतन्य बघेल को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है और अब अगली सुनवाई में बेल पर फैसला होगा। ईडी की जांच में 16.70 करोड़ रुपये की अवैध कमाई का खुलासा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को *18 जुलाई को उनके जन्मदिन पर* भिलाई स्थित आवास से मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया था। यह मामला एसीबी/ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर आगे बढ़ाया गया, जिसमें आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी शामिल हैं। ईडी की जांच में यह सामने आया है कि चैतन्य बघेल को शराब घोटाले से *करीब 16.70 करोड़ रुपये* की नकद राशि प्राप्त हुई। आरोप है कि इस रकम का इस्तेमाल उन्होंने अपनी रियल एस्टेट कंपनियों में किया। ईडी के अनुसार, इस धन से उनके प्रोजेक्ट्स में ठेकेदारों को नकद भुगतान किया गया और नकद बैंक ट्रांजैक्शन्स के जरिए इसे वैध दिखाने का प्रयास किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि चैतन्य ने कारोबारी *त्रिलोक सिंह ढिल्लों* के साथ मिलकर एक रणनीति तैयार की थी। इस योजना के तहत विठ्ठलपुरम प्रोजेक्टर में ढिल्लों के कर्मचारियों के नाम पर फ्लैट खरीद का दिखावा किया गया, जिसके जरिए चैतन्य को लगभग *5 करोड़ रुपये* की राशि अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त हुई। ईडी को बैंकिंग लेन-देन से जुड़े साक्ष्य भी मिले हैं, जो दिखाते हैं कि ढिल्लों को शराब सिंडिकेट से भुगतान प्राप्त हुए थे। फिलहाल चैतन्य बघेल रायपुर की जेल में न्यायिक हिरासत में हैं और मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होनी है, जिसमें जमानत पर फैसला लिया जाएगा। इस केस पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हैं क्योंकि यह राज्य के सबसे बड़े आर्थिक घोटालों में से एक माना जा रहा है।

आरंग में खुलेगा नया केंद्रीय विद्यालय

रायपुर, केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने रायपुर जिले के आरंग में नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री साय ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अवसरों के विस्तार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय न केवल आरंग क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा, बल्कि आस-पास के ग्रामीण अंचलों में भी शिक्षा की नई चेतना जागृत करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी अंचलों में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने, स्कूलों के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने और विद्यार्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कैम्ब्रिज में अलौकिक शक्तियों पर अध्ययन करेंगे पं. धीरेंद्र शास्त्री

रायपुर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में इन दिनों बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का आयोजन जोर-शोर से चल रहा है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु उनकी कथा सुनने पहुंच रहे हैं। अपनी ओजस्वी वाणी और चमत्कारिक शक्तियों के लिए प्रसिद्ध पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कथा के दौरान एक बड़ा ऐलान किया है। मीडिया से मुलाकात में उन्होंने कहा कि वे जल्द ही विश्व प्रसिद्ध कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अलौकिक शक्तियों पर अध्ययन करने जाएंगे। पंडित शास्त्री ने कहा, आज के समय में मान्यता तभी मिलती है, जब किसी विषय का अध्ययन विदेशों में किया जाए। इसलिए, मैं कैम्ब्रिज जाकर अलौकिक शक्तियों और आध्यात्मिक विज्ञान पर शोध करूंगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस अध्ययन के बाद वे विदेशों में भी अपने दरबार का आयोजन करेंगे, ताकि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार हो सके। भूत-प्रेत और दुष्ट शक्तियों के विषय पर चर्चा करते हुए शास्त्री ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि 8 देशों की अपनी यात्राओं के दौरान उन्होंने दुष्ट शक्तियों से निपटने के कई अनुभव प्राप्त किए। इस संदर्भ में उन्होंने आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के पैरा नॉर्मल सेंटर का उल्लेख किया, जहां ऐसी शक्तियों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में इन विषयों पर गहरा ज्ञान है, लेकिन इसे वैश्विक मंच पर वैज्ञानिक आधार के साथ प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय सम्मेलन के सुझाव पर क्रियान्वयन करेगी राज्य सरकार – कृषि मंत्री नेताम

इंडियन वेटनरी और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

दुर्ग में कृषि महाविद्यालय की घोषणा

रायपुर, संवाददाता।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में इंडियन वेटनरी और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में वन हेल्थ सिनर्जी (एक स्वास्थ्य तालमेल) को मज़बूत करना- 'अंतर-क्षेत्रीय नवाचार और एकीकरण के माध्यम से एएमआर (एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध) का मुकाबला' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ। दुर्ग के पृथ्वी पैलेस पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में आयोजित है। कृषि मंत्री नेताम व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा एवं ललित चंद्राकर और जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि यह दो दिवसीय सम्मेलन पशु एवं मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और वन्य जीवों के बीच बहुक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। जिसका उद्देश्य वन हेल्थ फ्रेमवर्क के अंतर्गत एन्टीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती से प्रभावी ढंग से निराकरण करना है। उन्होंने आयोजकों से कहा कि इस सम्मेलन में दिए गए सुझाव को केन्द्र व राज्य सरकार को अवगत कराएं। ताकि इसका क्रियान्यन सरकार द्वारा और बेहतर ढ़ंग से किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय के साथ दवाईयों पर अनुसंधान भी बढ़े है। इनके उपयोग पर मानव आज उलझ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग हेतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आज भी एक चुनौती है।

कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से पशु पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही कृषि के मामले में जैविक खेती पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे आना चाहिए। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे जैविक खेती को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और वैज्ञानिक तकनीको को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करें। कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए कृषि एवं पशुपालन विभाग के माध्यम से किसानों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने दुर्ग ग्रामीण विधायक चंद्राकर की मांग पर कामधेनु विश्वविद्यालय अंतर्गत दुर्ग में कृषि महाविद्यालय की घोषणा की। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने विश्वविद्यालय की स्मारिका, सोवेनियर बकरी प्रशिक्षण कैलेण्डर 2026 का विमोचन किया।

सांसद विजय बघेल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में दुर्ग में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सम्मेलन के दौरान विषय विशेषज्ञों के सुझावों से प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का सुझाव शासन को प्रेषित किया जाए, जिससे राज्य के नीति निर्धारण में इन सुझावों को समावेशित किया जा सके।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। कामधेनु विश्वविद्यालय के प्रभारी डीन डॉ. संजय शाक्य अपने स्वागत उद्बोधन में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

अमरेश मिश्रा, शुक्ला, गर्ग और दीपक झा फर्स्ट पुलिस कमिश्नर बनने की दौड़ में

एसपी कलेक्टर कांफ्रेंस के पश्चात जारी होगी आईपीएस की सूची

० ओडिशा की तर्ज पर पुलिस कमिश्नर प्रणाली को बनाये जाने की अनुशंसा

रायपुर,। छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर सिस्टम को लेकर आशंकाओं का दौर शुरू हो गया है। सरकार द्वारा इसे अगले महीने से लागू किये जाने की औपचारिकता की जा रही है। लेकिन अब इस सिस्टम को खड़ा करने के लिए राज्य सरकार का पसीना छूट रहा है। वहीं फस्ट पुलिस कमिश्नर बनने के लिए सीटिंग आईजी अमरेश मिश्रा संजीव शुक्ला, रामगोपाल गर्ग और दीपक झा के लिए कवायद शुरू हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के ओडिशा राज्य में यह सिस्टम लागू किया गया है। इसके लिए ओडिशा सरकार को विधानसभा में संशोधन लाना पड़ा था लेकिन छग में भी अब इस सिस्टम को लागू करने के लिए एडीजीपी प्रदीप गुप्ता की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है जिसमें पुलिस कमिश्नर बनाने की प्रणाली को लागू करने की सिफारिश की है। इस पद पर आईजी स्तर के अधिकारी को ही बैठाना पड़ेगा। जिसमें सबसे सीनियर पी सुंदरराज है। नक्सलियों को सफाये के लिए उन्हें याद किया जाता है वर्तमान में वे केंद्रीय गृहमंत्री एवं राज्य शासन के लोकप्रिय अधिकारी है।

छग में कमिश्नर प्रणाालाी लागू होने की संभावना को देखते हुए अब आईजी स्तर के अमरेश मिश्रा बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला दुर्ग आई रामगोपाल गर्ग, सरगुजा आई दीपक झा का नाम चर्चा में है। ये तीनों अधिकारी साफ सुथरी छबि वाले है। दीपक झा सात जिलों के एसपी रहे है। वर्तमान में राज्य शासन को ही इन चारों में से किसी एक को नियुक्त करना पड़ेगा। **आईपीएस की लिस्ट होगी शीघ्र जारी** छग में पुलिस कमिश्नर प्रणाली को लागू करने की कवायद चालू होते ही अब नये आईजी की भी पद स्थापना करने की कवायद शुरू हो गई है।

संपादकीय

किसानों की कल्याणकारी योजनाओं से बनता श्रेष्ठ भारत

भारत में किसानों के लिये जो काम किया गया है जिसकी चर्चा योजनाओं के माध्यम से की जाती है। जैसे कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना जिसके तहत भारत के किसानों को आर्थिक लाभ होता है। भारत में हाल के वर्षों में बिजली की किल्लत घटी है और अच्छी सड़कें बनी हैं। मगर बिजली सस्ती नहीं हुई है और टोल-टैक्स से सड़क परिवहन महंगा बना हुआ है। ये सभी लागतें आखिरकार उत्पाद की कीमत में ही शामिल होती हैं। चूंकि व्यापारियों को भी बिजली आदि जैसी सुविधाएं महंगी मिलती हैं, तो वे जो चीजों की जो बिक्री वे करते हैं, उस पर अपनी लागत जोड़ते हैं। इस कारण उद्योग-धंधों का वैसा प्रसार नहीं होता, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ें। नतीजतन, कृषि पर आबादी की निर्भरता जस की तस बनी हुई है। यह एक दुश्चक्र है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था निकलती नजर नहीं आती। इसकी वजहों में झांकें, तो सरकारों की वोट-जुटाऊ प्राथमिकता भी, उसमें खास भूमिका निभाती नजर आएगी।

सुनाई दे हर जगह सदा तेरी।

शब्द तेरे, छंद तेरे, कविता तेरी,
धड़कनें गुनगुनाएँ, दास्ताँ तेरी।

हवाएँ तेरी, शहर तेरा, मंज़िल तेरी,
ठहरें पल भर, अगर मर्ज़ियाँ तेरी।

आसमान और रंग सारे तेरे ही,
परिंदे उकेरें निशाँ, दास्ताँ तेरी।

भाव तेरे, मन तेरा, जज़्बात तेरे,
रच गई हर पंक्ति में तर्जुमा तेरी।
तर्जुमा-अनुवाद,
कलियाँ तेरी, फूल तेरे, उपवन तेरा,
हथेलियों पे मेहंदी और मदहोशी तेरी।

झरने तेरे, नदियाँ तेरी, सागर तेरा,
प्यास बुझेगी होगी गर मर्ज़ियाँ तेरी।

पगडंडी तेरी, राहें तेरी, मंज़िल तेरी,
सफ़र कटेगा गर होगी खुशियाँ तेरी।

पवन तेरा, गगन तेरा, आकाश तेरा,
उड़ चले पंख होगीं गलबहियाँ तेरी।

सुर तेरा, ताल तेरा, शहनाई तेरी,
सुनाई दे हर जगह जब सदा तेरी।

संजीव , इस ग़ज़ल में है तेरा असर,
हर लफ़्ज़ में झलकेगी बस अदा तेरी।

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra- Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफसिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपने जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफसिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफसिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफसिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई।

दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफसिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफहै कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमज़ोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफसिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकॉल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई। इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफकिया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निर्माता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है।

इसके साथ ही चिकित्सा जगत और समाज को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। डॉक्टरों को यह समझना होगा कि शिशुओं को ओटीसी- ऑवर दी कॉउन्टर दवाएं देना कितना खतरनाक हो सकता है। सरकार द्वारा जारी परामर्श और चेतावनियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। मीडिया को भी सनसनी से ऊपर उठकर जनता को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। इन त्रासदियों को केवल समाचार बनाकर भुला देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य-सुधार के आंदोलन में बदलना समय की मांग है। क्योंकि सरकारी अनुमान से इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की कमजोर कड़ी साबित हुई है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ, पारदर्शिता, ईमानदारी और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है। अंततः यह घटना हमें याद दिलाती है कि जीवन रक्षा के साधनों में जब नैतिकता का अभाव हो जाता है तो प्रगति की समूची इमारत ध्वस्त हो जाती है। दवा उद्योग में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सरकार और समाज दोनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी बच्चे की जान किसी घटिया या मिलावटी दवा के कारण न जाए। जब तक दवा बनाने वाला और दवा बांटने वाला अपनी जिम्मेदारी को धर्म, करुणा, विश्वास और ईमानदारी की दृष्टि से नहीं देखेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी। इसलिए अब वक्त आ गया है कि हम दवा नहीं, दायित्व बनाएं, नियमन नहीं, निष्ठा पैदा करें और इस मानवता विरोधी अपराध के लिए दोषियों को उदाहरण स्वरूप कठोरतम दंड दें ताकि भविष्य में जीवन रक्षक औषधि फिर से विश्वास की प्रतीक बन सके।

यह निजी विचार है।

एशियाई शेरों के संरक्षण का जीवंत केंद्र लायन सफारी

विनीत नारायण

जहां एक तरफ़ औद्योगीकरण के नाम पर दो भर में अंधाधुंध जंगल काटे जा रहे हैं, वहीं ऐसे प्रयास बहुत सराहनीय हैं जो हरित क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में किए गए हैं। पिछले हफ्ते मैं पहली बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इटावा नगर के बाहर स्थित %लायन सफारी' देखने गया। इत्तेफाक ही है कि दो महीने पहले ही मैंने अफ्रीका के केन्या में स्थित %मसाई मारा वन्य अभयारण्य' का दौरा किया था। करीब 1.5 लाख हेक्टेयर में फैला %सवाना ग्रासलैंड' हजारों तरह के वन्य जीवों के मुक्त विचरण के कारण विप्रसिद्ध है। वहां मैंने एक खुली जीप में बैठ कर 3 मीटर दूर बैठे बब्बर शेर और शेरनियों को देखने का रोमांचकारी अनुभव हासिल किया। मुझे नहीं पता था कि उत्तर प्रदेश में भी एक विशाल सरकारी पार्क है, जहां बब्बर शेर और शेरनियां और तमाम दूसरे इ्क्षहसक पशु खुलेआम विचरण करते हैं। शायद आपने भी कभी इटावा के %लायन सफारी' का नाम नहीं सुना होगा।

इटावा का यह लायन सफारी (जिसे अब इटावा सफारी पार्क के नाम से जाना जाता है) मसाई मारा के स्तर का तो नहीं है, पर इसकी अनेक विशेषताएं इसे मसाई मारा के अभयारण्य से ज्यादा आकषर्क बनाती हैं। जहां सवाना ग्रासलैंड में पेड़ों का नितांत अभाव है और पचासों मील तक सपाट मैदान है, वहीं इटावा का लायन सफारी बीहड़ क्षेत्र में बसा है। इसमें सैकड़ों प्रजाति के बड़े-बड़े सघन वृक्ष लगे हैं। इसके चारों ओर चंबल नदी की घाटी की तरह मिट्टी के कच्चे पहाड़ हैं जिनके पास से यमुना नदी बहती है। यह न केवल एशिया के सबसे बड़े ड्राइव-थ्रू सफारी पार्कों में से एक है, बल्कि एशियाई शेरों के संरक्षण का जीवंत केंद्र भी है।

इटावा लायन सफारी की अवधारणा 2006 में ही प्रस्तावित हो चुकी थी, लेकिन इसका निर्माण 2012-13 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार के दौरान शुरू हुआ। यह परियोजना उत्तर प्रदेश वन विभाग के सामाजिक वानिकी प्रभाग इटावा के तहत %फिशर फॉरेस्ट' क्षेत्र में विकसित की गई जो इटावा शहर से मात्र 5 किमी. दूर इटावा-ग्वालियर रोड पर स्थित है। फिशर फॉरेस्ट का अपना ऐतिहासिक महत्त्व है। 1884 में इटावा के तत्कालीन जिला प्रशासक जे.एफ. फिशर ने स्थानीय जमींदारों को मना कर इस क्षेत्र में वनरोपण की शुरुआत की थी, जो राज्य का सबसे पुराना वन क्षेत्र माना जाता है। यह निर्माण कार्य उप्र. वन विभाग की निगरानी में हुआ जिसे केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी मिली। परियोजना को स्पेनिश आर्किटेक्ट फ्रैंक बिडल ने डिजाइन किया।

यह सफारी पार्क कुल 350 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसकी परिधि लगभग 8 किमी. लंबी है। इसमें शेर ब्रिडिंग सेंटर के लिए 2 हेक्टेयर क्षेत्र आरक्षित है, जहां 4 ब्रिडिंग सेल हैं। सफारी के विभिन्न जोन लायन सफारी, डियर सफारी, एंटीलोप सफारी, बियर सफारी और लेपर्ड सफारी। इसका बड़ा हिस्सा आरक्षित वन क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। यहां पंचवटी वृक्षों (बरगद, आंवला, अशोक, बेल और पीपल) की प्रजातियों से भरा हरित आवरण है। पूरा क्षेत्र 7800 मीटर लंबी बफर बॉर्डर वॉल से सुरक्षित है, जो वन्यजीवों को बाहरी खतरों से बचाता है। 2014 में गुजरात के चिड़ियाघरों से 8 शेरों को यहां लाया गया जिनमें से कुछ कुत्ते की बीमारी (कैनाइन डिस्टेंपर) से प्रभावित हुए लेकिन अमेरिका से आयातित वैक्सीन के बाद अब यहां 19 एशियाई शेर (7 नर और 12 मादा) हैं। पार्क में 247 प्रजातियों के पक्षी, 17 स्तनधारी प्रजातियां और 10 सरीसृप प्रजातियां भी हैं।

यह सफारी पार्क जनता के लिए 24 नवम्बर, 2019 से खुला। लायन सेगमेंट को अंतिम चरण में जोड़ा गया। आज यह उप्र का एकमात्र मल्टीपल सफारी पार्क है, जो एशियाई शेर जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शेर ब्रिडिंग सेंटर न केवल प्रजनन को बढ़ावा देता है, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बनाए रखने में भी सहायक है। पर्यावरणीय दृष्टि से पार्क जलवायु परिवर्तन के दौर में जैव विविधता के संरक्षण का प्रतीक है। यहां आने वाले पर्यटक न केवल शेरों को उनके प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं, बल्कि 4डी थिएटर के माध्यम से वन्यजीवों के करीब महसूस भी कर सकते हैं।

सवाल है कि इसका रखरखाव और विकास कैसे सुनिश्चित हो ताकि यह प्रमुख पर्यटन स्थल बने। पार्क की डिजिटल बुकिंग सिस्टम को मजबूत किया जाना, इको-फ्रेंडली आवास सुविधाएं बढ़ाना और स्थानीय समुदायों को रोजगार से जोडने् की जरूरत है। सौर ऊर्जा के उपयोग, जो अभी कम है, को बढ़ाकर इसे ग्रीन टूरिज्म मॉडल बनाया जा सकता है। चंबल नदी के निकट होने से नेशनल चंबल सैंक्चुअरी के साथ इंटीग्रेटेड टूर पैकेज विकसित किए जाएं। इस पार्क का बजट आवंटन बढ़ाया जाए तो यह न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी चमकेगा। पर्यटक बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया कैंपेन और स्कूलों के लिए एजुकेशनल टूर्स आयोजित किए जाएं।

गौरतलब है कि एशियाई शेर, जो गिर वन (गुजरात) तक सीमित हैं, भारत के प्रतीक हैं। यहां आकर हम अपनी जैव विविधता की जिम्मेदारी समझते हैं। बच्चे और युवा वन्यजीव संरक्षण के महत्त्व को सीख सकते हैं, जो आज के पर्यावरण संकट के समय में आवश्यक है। पर्यटन के चलते इटावा जैसे छोटे शहरों में रोजगार सृजन होता है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। आगरा (ताज महल) से मात्र 2 घंटे और लखनऊ से 3 घंटे की दूरी पर स्थित होने से यह एक्सेसिबल है। यह अनूठा अनुभव प्रदान करता है, अपनी कार से शेरों को नजदीक से देखना जो अजायब घर की कैद से अलग है, यह हमें प्रकृति से जोड़ता है। भारतीयों को यहां आकर गर्व महसूस करना चाहिए कि हमारा देश ऐसे प्रयास कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर वन्यजीव संरक्षण में योगदान दे रहा है।

इटावा लायन सफारी केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि संरक्षण, शिक्षा और सतत विकास का प्रतीक है। सरकार, वन विभाग और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से इसे और समृद्ध बनाया जाए। हर भारतीय को कम से कम एक बार यहां आना चाहिए प्रकृति की पुकार सुनने के लिए, अपनी जड़ों से जुडने् के लिए।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

जीवन का आधार और अस्तित्व की धड़कन हृदय

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

मनुष्य का हृदय केवल शरीर के भीतर रक्त पंप करने वाली मशीन भर नहीं है, बल्कि जीवन का आधार और अस्तित्व की धड़कन है। जब यही धड़कन संकट में पडने् लगती है तो संपूर्ण जीवन व्यवस्था असंतुलित हो उठती है।

हाल में काउजेज ऑफडेथ इन इंडिया- 2021-23-शीषर्क से जारी रिपोर्ट ने एक बार फिर हमें सोचने पर विवश कर दिया है कि आधुनिक जीवन की चमक-दमक और सुविधा-संपन्नता के बीच कहीं न कहीं हम अपने हृदय को खतरे में डाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हृदय संबंधी बीमारियां हैं, जिनसे 31 प्रतिशत लोग अकाल मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं।

पहले कहा जाता था कि बुढ़ापे की दहलीज पर पहुंचने के बाद दिल धोखा देता है, लेकिन ताजा आंकड़े बताते हैं कि अब 30 वर्ष से ऊपर के लोगों में ही यह मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुका है अर्थात अब हृदय रोग केवल वृद्धावस्था की बीमारी नहीं रह गई, बल्कि युवाओं और मध्यम आयु वर्ग के लिए भी उतनी ही घातक सिद्ध हो रही है। स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है कि भारत की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा युवाओं का है, और यही वर्ग हृदय रोग की चपेट में आने लगे तो न केवल परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र का भविष्य भी प्रभावित होगा।

हृदय रोग की बढ़ती भयावहता को समझने के लिए हमें जीवनशैली में आए बदलावों पर नजर डालनी होगी। आधुनिक जीवन ने हमें आराम, गति और साधन तो दिए हैं, किंतु साथ ही शारीरिक श्रम से दूरी, असंतुलित खानपान, मानसिक तनाव और अनुशासनहीन दिनचर्या जैसी आदतों को भी जन्म दिया है। एक ओर फैक्टरियां, दफ्तर और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया तो दूसरी ओर शरीर की मशीनरी को निष्क्रिय भी कर दिया। घंटों तक कुर्सी पर बैठे रहना, फास्ट फूड और जंक फूड का सेवन, मीठे-नमकीन और तैलीय पदाथरे की अधिकता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी आदतें हृदय को धीरे-धीरे कमजोर करती रहती हैं।

यह भी ध्यान देने की बात है कि कोविड-19 महामारी ने इस संकट को और गहरा किया। लंबे समय तक घरों में कैद रहना, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मानसिक तनाव ने हृदय संबंधी रोगों के मामलों को और बढ़ा दिया। हालांकि कोविड का सीधा कारण हृदय रोग नहीं था, किंतु महामारी के दौरान उत्पन्न जीवनशैली के परिणामस्वरूप फैली निष्क्रियता ने हृदय को अतिरिक्त खतरे में डाल दिया। अधिक नमक, चीनी और वसा का सेवन, व्यायाम की कमी और मानसिक दबाव-सभी हृदय पर बोझ डालते हैं। नतीजा होता है कि रक्तचाप बढने् लगता है, धमनियां संकुचित हो जाती हैं, और हृदय की धड़कनें असामान्य हो जाती हैं।

समय रहते ध्यान न दिया जाए तो स्थिति दिल के दौरे, हार्ट फेलियर या स्ट्रोक का रूप ले लेती है। रिपोर्ट बताती है कि भारत में हर तीसरी मौत हृदय की बीमारी से हो रही है। यह आंकड़ा झकझोरने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मोटापे और हृदय रोग के बढ़ते संकट को रेड सिग्नल मानते हुए इन्हें नियंत्रित करने का आह्वान किया है। मोटापा वास्तव में हृदय रोग की जड़ है। शरीर का वजन बढ़ता है, तो सीधा असर हृदय पर पड़ता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियां मोटापे के साथ-साथ चलती हैं, और सभी मिलकर हृदय की सेहत बिगाड़ देती हैं।

इस समस्या का समाधान केवल दवाओं से संभव नहीं है। इसके लिए जन-जागरूकता, जीवनशैली में बदलाव और सामाजिक स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। हृदय रोग केवल व्यक्तिगत संकट नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता और विकास से भी जुड़ा प्रश्न है। जब कार्यशील आयु वर्ग के लोग समय से पहले बीमार पडने् लगें या असमय मृत्यु को प्राप्त हों, तो सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है। इसीलिए हृदय रोग के खिलाफ लड़ाई केवल चिकित्सीय लड़ाई नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संघर्ष है।

समय की मांग है कि हम दिल की आवाज सुनें, उसकी धड़कनों को सुरक्षित रखें और उसे खतरे से बचाने के लिए ठोस कदम उठाएं। खानपान में सादगी, जीवन में अनुशासन, मन में संतुलन और समाज में जागरूकता-यही इस संकट के वास्तविक समाधान हैं। यदि हम इन बिंदुओं पर गंभीरता से काम करें तो हृदय रोग के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दिल का खतरे में होना केवल चिकित्सा का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हमारे पूरे जीवन-तंत्र की असंतुलितता का प्रतीक है।

आधुनिकता की दौड़ में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जीवन की असली सफलता स्वास्थ्य में निहित है। यदि दिल स्वस्थ है, तभी जीवन सुखी है, और तभी राष्ट्र समृद्ध है। इसलिए अब देर किए बिना हमें हृदय स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी वरना दिन दूर नहीं जब विकास की चमक के बीच हमारी धड़कनें ही मद्धिम पड़ जाएंगी।

यह निजी विचार है।

वाल्मीकि जयंती पर संस्कृत भारती ने किए विविध आयोजन

(संस्कृत में रामायण जैसे महाकाव्य के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का संबंध छत्तीसगढ़ से)

:- पं. चंद्रभूषण शुक्ला

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को भारत सहित कई देशों मे संस्कृत साहित्य के आदि कवि जिसने पूरे विश्व में प्रथम महाकाव्य संस्कृत रामायण की रचना की ÷महर्षि वाल्मीकि÷ की जयंती मनाई जाती है। रायपुर सहित पूरे प्रदेश मे संस्कृत भारती के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न आयोजन किया गया।

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला एवं महानगर अध्यक्ष डॉ. लूनेश वर्मा ने बताया की रामायण जैसे महाकाव्य के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी का जन्म हिन्दी पंचांग अनुसार आश्विन् मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हुआ था। वाल्मीकि जयंती के दिन अधिकतर मंदिरों में पूजा अर्चना की जाती है और रामायण का पाठ किया जाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में रावतपुरा कॉलोनी भाठागाँव में आयोजन हुआ, जिसमें राकेश शर्मा जी भाजपा उपाध्यक्ष तेलीबांधा रायपुर, तिलेंद्र कोण्डेशवर, श्रीमती नीता कोण्डेशवर, प्रियेश तिवारी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल पुलिस गुप्ता जी, मनहरण लाल देवांगन, प्रमुख वक्ता डॉ. प्रवीण झाड़ी, डॉ. दिव्या देशपांडे, राजेश राजपूत, पारस साहू सहित कॉलोनी के अनेक लोग भाग लिए।

डॉ. प्रवीण झाड़ी ने कहा कि मुख्यतः उत्तरप्रदेश, राजस्थान, जैसे राज्यों मे वाल्मीकि जयंती बहुत ही धूम धाम से मनाई जाती है। चूंकि वाल्मीकि जी ने यह महाकाव्य संस्कृत भाषा में रचना की है और छत्तीसगढ़ के ÷तुरतुरिया÷ मे महर्षि वाल्मीकि जी का आश्रम होना और वहाँ श्रीराम सीता जी के पुत्र लव कुश को शिक्षा दिया जाना छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक प्रमाण है। इसलिए संस्कृतभारती छत्तीसगढ़ द्वारा पूरे प्रदेश मे वाल्मीकि जयंती मनाई गई।

डॉ. दादूभाई त्रिपाठी एवं डॉ. दिव्या देशपांडेय ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत मे रामायण की रचना की थी, संस्कृत रामायण को सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है और उसकी प्रमाणिकता भी अधिक है। महर्षि वाल्मीकि के आश्रम मे ही लवकुश का जन्म हुआ था और वाल्मीकि ने ही लवकुश को रामायण पढ़ाई थी।

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चंद्रभूषण शुक्ला एवं दुर्गेश तिवारी ने कहा कि कुछ पौराणिक कथाओं में ऐसा सुनने मे आता है कि महर्षि वाल्मीकि एक रत्नाकर नाम के दस्यु थे जो देवर्षि नारद मुनि के प्रभाव से वाल्मीकि बनें और भगवान राम के भक्त बन गए। उन्होंने कई वर्षों तक राम राम मंत्र का जप किया। वर्षों के तप के बाद एक दिन भविष्यवाणी हुई की उनकी तपस्या सफल हुई और उस दिन ही उनको नया नाम वाल्मीकि मिला। वाल्मीकि जी को श्रीराम भगवान जी के दर्शन और कृपा प्राप्त हुआ। वाल्मीकि जी को श्री राम जी के जीवन मे घटित प्रत्येक घटना का पूर्ण ज्ञान था। संस्कृत भाषा मे वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना किये जिसे ÷आदि काव्य÷ भी कहा जाता है। वल्मीकीय रामायण संस्कृत साहित्य का एक आरंभिक महाकाव्य है जो संस्कृत भाषा मे अनुष्टुप छंदों मे रचित है। इसमें श्री राम के चरित्र का उत्तम एवं वृहद विवरण काव्य रूप में उपस्थित हुआ है। वर्तमान मे राम के चरित्र पर जितने भी ग्रंथ उपलब्ध है उन सभी का मूल महर्षि वाल्मीकि कृत ÷ वल्मीकीय रामायण÷ ही है। भारतीय संस्कृति एवं साहित्य में इस महाकाव्य वाल्मीकीय रामायण का एक महत्वपूर्ण स्थान है। वाल्मीकि जी के जयंती पर उनके जीवन परिचय पर व्याख्यान, महाकाव्य संस्कृतरामायण पर चर्चा, लवकुश की शिक्षा, रामरक्षा स्तोत्र का पाठ, संस्कृत व्याख्यान, शोभायात्रा, सोशल मीडिया पर जयंती की शुभकामना आदि आयोजित हुआ।

मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर का दौरा

(संवाददाता)।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और जापान के भूमि, अवसंरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री महामहिम हिरोमासा नाकानो ने शुक्रवार को सूरत और मुंबई में मुंबईङ्कअहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के स्थलों का दौरा किया। महामहिम नाकानो का सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पारंपरिक गरबा के साथ स्वागत किया गया। सूरत के सांसद मुकेश दलाल, मेयर डैक्सेश मवानी, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन, रेलवे, एनएचएसआरसीएल और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी जापानी मंत्री के स्वागत में उपस्थित थे।

सूरत में ट्रैक स्लैब बिछाने स्थल का दौरा

मंत्रियों ने सूरत हाई-स्पीड रेल स्थल पर ट्रैक निर्माण बेस का दौरा किया। उन्होंने वायाडक्ट पर जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक प्रणाली की स्थापना देखी। ट्रैक स्लैब स्थापना और स्थायी रेल बिछाने का कार्य तेजी से प्रगति कर रहा है। हाल ही में, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सूरत एचएसआर स्टेशन के पास पहले ट्रैक टर्नआउट की स्थापना भी देखी।

मुंबई के बीकेसी एचएसआर स्टेशन का दौरा

मंत्रियों ने सूरत से मुंबई की यात्रा वंदे भारत एक्सप्रेस से की। उन्होंने मुंबई में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) बुलेट ट्रेन स्टेशन की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री नाकानो और जापानी टीम ने वंदे भारत ट्रेन की गुणवत्ता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मुंबई के बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन की प्रमुख विशेषताएँ यह मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर भूमिगत स्टेशन होगा। खुदाई 30 मीटर से अधिक गहराई तक की जा रही है, जो लगभग 10-मंज़िला इमारत के बराबर है। स्टेशन में तीन स्तर होंगेः प्लेटफॉर्म, कांकॉर्स और सेवा तल

स्टेशन में सड़क के साथ-साथ मेट्रो कनेक्टिविटी होगी। दो प्रवेश और निकास द्वार प्रस्तावित हैं ङ्क एक मेट्रो स्टेशन के पास और दूसरा एमटीएनएल भवन के पास। स्टेशन डिज़ाइन यात्रियों और सुविधाओं के लिए विशाल स्थान प्रदान करता है। प्राकृतिक रोशनी के लिए स्काईलाइट फीचर्स शामिल किए गए हैं। खुदाई कार्य का लगभग 84त्न पूरा हो चुका है।

बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति (सितंबर, 2025) मुंबई - अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर 508 किमी लंबा है। 323 किमी वायाडक्ट पूरा हो चुका है। 399 किमी पियर कार्य भी पूरा हो चुका है। 17 नदी पुल, 5 पीएससी पुल और 9 स्टील पुल पूरे हो चुके हैं। 211 किमी ट्रैक बेड पूरा हो चुका है और ट्रैक बेड के साथ 4 लाख से अधिक शोर रोधक अवरोध लगाए जा चुके हैं। पालघर में 7 पर्वतीय सुरंगों की खुदाई चल रही है। बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किमी लंबे एनएटीएम सुरंग में से 5 किमी की खुदाई में सफलता हासिल हुई है। सूरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो निर्माणाधीन हैं। गुजरात के सभी स्टेशनों पर सुपरस्ट्रक्चर कार्य उन्नत अवस्था में है। महाराष्ट्र में सभी तीन ऊँचे स्टेशनों पर कार्य शुरू हो चुका है।

जम्मू-कश्मीर के आपदा प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार से मिली राहत

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पीएम-किसान की 21वीं किस्त अग्रिम जारी

जम्मू-कश्मीर के 8.55 लाख किसानों के खातों में सम्मान निधि के 171 करोड़ रु. जमा

कृषि भवन, दिल्ली में सादे समारोह में श्री शिवराज सिंह के साथ केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह हुए शामिल

अब तक जम्मू-कश्मीर के किसानों को पीएम-किसान के तहत 4,052 करोड़ रु. दिए जा चुके- श्री शिवराज सिंह

पीआईबी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कृषि भवन, नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 21वीं किस्त अग्रिम जारी की। इस सादे समारोह में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, वहीं जम्मू-कश्मीर के कृषि मंत्री श्री जावेद अहमद डार, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान कार्यक्रम से वर्चुअल जुड़े। आज की किस्त के तहत लगभग 8.55 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 171 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए, जिनमें 85,418 महिला किसान शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के किसानों को पीएम-किसान के तहत अब तक कुल 4,052 करोड़ रु. की सहायता दी जा चुकी है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बाढ़ और अन्य आपदा से प्रभावित जम्मू-कश्मीर के किसानों के साथ केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हुई है, हम सभी प्रभावित किसानों व अन्य लोगों को संकट से पार निकालेंगे, इसी कड़ी में एक कदम पीएम-किसान की किस्त की यह राशि बड़ी राहत है, जिससे किसान अपने आवश्यक कार्य कर सकेंगे। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि हम किसी भी किसान को संकट की इस घड़ी में अकेला नहीं छोड़ेंगे। केंद्र सरकार अपनी विभिन्न योजनाओं व सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से हरसंभव मदद दे रही है, आगे भी जो प्रावधान है, उनके अनुरूप प्रभावित निवासियों को सहायता की जाएगी।

विशेष जैव सुरक्षा प्रशिक्षण के लिए 14 राज्यों के 30 सीसीआरएच वैज्ञानिकों का चयन

पीआईबी संवाददाता

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी (एमएएचई), मणिपाल की घटक इकाई, मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एमआईवी) के सहयोग से 6 से 10 अक्टूबर, 2025 तक एमएएचई परिसर, मणिपाल, कर्नाटक में ÷जैव सुरक्षा और प्रकोप सिमुलेशन प्रशिक्षण 2025÷ शीर्षक पांच दिवसीय आवासीय कार्यशाला शुरू की है। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सीसीआरएच के अनुसंधान वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत सटीक रूप से तैयार किया गया है। इस क्षमता-निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य तैयारियों, जैव सुरक्षा प्रथाओं और रोगों के प्रकोप की स्थिति में प्रतिक्रिया की क्षमताओं को बढ़ाना है जिससे आयुष मंत्रालय के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य संबंधी पहलों को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। सीसीआरएच के अनुसंधान वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण के इस अवसर ने भारत के 22 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सीसीआरएच के 33 संस्थानों/इकाइयों की व्यापक भागीदारी के साथ बड़े स्तर पर रुचि पैदा की है। मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की ओर से किए गए गहन ऑनलाइन मूल्यांकन के बाद इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 30 प्रतिभाशाली अनुसंधान वैज्ञानिकों का चयन किया गया।

गणमान्य व्यक्ति और सीसीआरएच अनुसंधान वैज्ञानिक एमआईवी के निदेशक डॉ. चिरंजय मुखोपाध्याय ने कार्यशाला में सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों, विषय विशेषज्ञों और प्रशिक्षुओं का स्वागत किया। सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में सामर्थ्यवान स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण और अनुसंधान वैज्ञानिकों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उभरते संकटों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के उद्देश्य से सीसीआरएच और एमएएचई के बीच सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने संक्रामक रोगों और वैश्विक महामारियों से निपटने में होम्योपैथी की क्षमता का उल्लेख किया। इस दौरान, अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में उपयोगी सहयोग को सुगम बनाने के लिए सीसीआरएच और एमएएचई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक और एमएएचई के रजिस्ट्रार डॉ. पी. गिरिधर किनी ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सीसीआरएच और एमएएचई के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

इसके अतिरिक्त, एमएएचई में स्वास्थ्य विज्ञान के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. शरत कुमार राव के. ने अपने मुख्य भाषण में इस प्रशिक्षण के आयोजन के प्रयासों की सराहना की और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के संचालन में एमएएचई की ओर से हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया।

65वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों ने राष्ट्रपति से भेंट की

ओडिशा के मुख्यमंत्री, मोहन चरण माझी,नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात करते हुए।

कार्तिक मास की हिंदू धर्म में है खास महत्व

पीआईबी। पवित्र कार्तिक महीने की शुरूआत शरद पूर्णिमा से होती है और अंत होता है कार्तिक पूर्णिमा या देव दीपावली से। इस बीच करवा चौथ, अहोई अष्टमी, रमा एकादशी, गौवत्स द्वादशी, धनतेरस, रूप चतुर्दशी दीवाली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, सौभाग्य पंचमी, छठ, गोपाष्टमी, आंवला नवमी, देव एकादशी, बैकुंठ चतुर्दशी, कार्तिक पूर्णिमा या देव दीपावली को बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है।

इस दौरान देवउठनी या प्रबोधिनी एकादशी का विशेष महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की निद्रा के पश्चात उठते हैं। इस दिन के बाद से सारे मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं।

श्री महामाया मन्दिर रायपुर के ज्योतिषी एवं भागवताचार्य पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि कार्तिक महीने का हिन्दू धर्म में खास महत्व है। यह मास शरद पूर्णिमा से शुरू होकर कार्तिक पूर्णिमा पर खत्म होता है। इस महीने में दान, पूजा-पाठ तथा स्नान का बहुत महत्व होता है तथा इसे कार्तिक स्नान की संज्ञा दी जाती है। यह स्नान सूर्योदय से पूर्व किया जाता है। स्नान कर पूजा-पाठ को खास अहमियत दी जाती है। साथ ही देश की पवित्र नदियों में स्नान का खास महत्व होता है। इस दौरान घर की महिलाएं नदियों में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करती हैं। यह स्नान विवाहित तथा कुंवारी दोनों के लिए फलदायी होता है। रायपुर के खारून नदी में भी स्नान करने वालों की संख्या में काफी वृद्धि देखने को मिलता है।

इस कार्तिक महीने में दान करना लाभकारी होता है। दीपदान का भी खास विधान है। यह दीपदान मंदिरों, नदियों के अलावा आकाश में भी किया जाता है। यही नहीं ब्राह्मण भोज, गाय दान, तुलसी दान, आंवला दान तथा अन्न दान का भी महत्व होता है।

हिन्दू धर्म में इस महीने में कुछ परहेज बताए गए हैं। कार्तिक स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को इसका पालन करना चाहिए। इस मास में धूम्रपान, मद्यपान निषेध होता है। यही नहीं लहुसन, प्याज और मांसाहर का सेवन भी नही करना चाहिए। इस महीने में विष्णु भक्त को भूमि शयन करना चाहिए। इस दौरान सूर्य उपासना विशेष फलदायी होती है। साथ ही दोपहर में सोना भी अच्छा नहीं माना जाता है।

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि कार्तिक महीने में तुलसी जी की पूजा का खास महत्व है। ऐसा माना जाता है कि तुलसी जी भगवान विष्णु की प्रिया हैं। तुलसी की पूजा कर भक्त भगवान विष्णु को भी प्रसन्न कर सकते हैं। इसलिए श्रद्धालु गण विशेष रूप से तुलसी की आराधना करते हैं। इस महीने में स्नान के बाद तुलसी तथा सूर्य को जल अर्पित किया जाता है तथा पूजा-अर्चना की जाती है। यही नहीं तुलसी के पत्तों को खाया भी जाता है जिससे शरीर निरोगी रहता है। साथ ही तुलसी के पत्तों को चरणामृत बनाते समय भी डाला जाता है। यही नहीं तुलसी के पौधे का कार्तिक महीने में दान भी दिया जाता है। तुलसी के पौधे के पास सुबह-शाम दीया भी जलाया जाता है। अगर यह पौधा घर के बाहर होता है तो किसी भी प्रकार का रोग तथा व्याधि घर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं। तुलसी अर्चना से न केवल घर के रोग, दुख दूर होते हैं बल्कि अर्थ, धर्म, काम तथा मोक्ष की भी प्राप्ति होती है।

- पं. चन्द्रभूषण शुक्ला प्रचारक संस्कृत भाषा

करवा चौथ - 10 अक्टूबर शुक्रवार अहोई अष्टमी - 13 अक्टूबर सोमवार रमा एकादशी - 17 अक्टूबर शुक्रवार गौवत्स द्वादशी एवं धनतेरस - 18 अक्टूबर शनिवार नरक चतुर्दशी - 19 अक्टूबर रविवार दीपावली - 20 अक्टूबर सोमवार देवपितृ कार्य अमावस्या - 21 अक्टूबर मंगलवार गोवर्धन पूजा अन्नकूट - 22 अक्टूबर बुधवार भाईदूज - 23 अक्टूबर गुरुवार सौभाग्य पंचमी - 26 अक्टूबर रविवार सूर्यषष्ठी व्रत - 27 अक्टूबर सोमवार गोपाष्टमी एवं आंवला नवमी - 30 अक्टूबर गुरुवार देवउठनी - प्रबोधिनी एकादशी - 02 नवंबर रविवार बैकुंठ चतुर्दशी - 04 नवंबर मंगलवार कार्तिक पूर्णिमा या देव दीपावली - 05 नवंबर बुधवार 06 नवंबर से अगहन गुरुवार प्रारंभ।

हरिराम गट्टानी मेमोरियल जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल जांजगीर के छात्र-छात्राओं ने किया राष्ट्रपति भवन का शैक्षिक भ्रमण

जांजगीर चांपा / विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 4/ 10/ 25 से दिनांक 10/ 10 /25 तक अष्ठदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण की योजना बनाई गई है जिसमें जांजगीर स्थित जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल के 47 छात्र-छात्राओं व शिक्षक शिक्षिकाओं व विद्यालय प्रबंधन ने राष्ट्रपति भवन का दिनांक 4 /10/ 25 को शैक्षणिक भ्रमण किया जिनमें टीम लीडर विद्यालय के सीईओ हर्षित गट्टानी सहित 47 छात्र-छात्राओं, तीन शिक्षक , दो शिक्षिकाओं ने राष्ट्रपति भवन का शैक्षिक दौरा कर विभिन्न जानकारियां हासिल की।

छात्रों को सिक्योरिटी ऑफिसर ने स्वर्णिम इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और स्वतंत्रता संग्राम की यात्रा से अवगत कराया। छात्रों ने अमृत उद्यान ,म्यूजियम और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। इसी कड़ी में सहस्त्रबाहु और अवलोकितेश्वर भगवान बुद्ध की 1000 भुजाओं वाली मूर्ति को देखने के साथ-साथ राष्ट्रपति भवन की विस्तृत जानकारी,

सम्मेलन स्थल, जिसे तुंग भद्रा (लॉन्ग ड्राइंग रूम) के नाम से जाना जाता है, अवगत कराया गया। उसे फि रोजा हरे रंग से सजाया गया है तथा आधुनिक साज सज्जा और एलईडी स्क्रीन से सुसज्जित किया गया है जिसे देख सभी छात्र-छात्राएं स्तंभित रह गए और बताया गया कि अशोक मंडप का उपयोग विदेशी देशों के मिशन प्रमुखों द्वारा अपने परिचय पत्र प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है,भारत के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित राजकीय भोज के आरंभ से पहले आने वाले तथा भारतीय प्रतिनिधि मंडलों के लिए औपचारिक परिचय स्थल के रूप में किया जाता है और संग्रहालय भ्रमण के दौरान.. चाँद से लाया गया पत्थर, देखा गया।

एपीजे कलाम की रचना... राष्ट्रपति भवन संग्रहालय, राष्ट्रपति भवन के भीतर स्थित एक भूमिगत, तकनीकी रूप से उन्नत संग्रहालय है, जो ऐतिहासिक अस्तबल और गैरेज में स्थित है। यह भारत की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करता है, जिसमें राष्ट्रपतियों को मिले उपहार, पूर्व नेताओं से संबंधित कलाकृतियाँ, संविधान निर्माण जैसी महत्वपूर्ण घटनाएँ और स्वयं भवन का इतिहास शामिल है। संग्रहालय एक आकर्षक ऐतिहासिक अनुभव प्रदान करने के लिए इंटरैक्टिव डिस्प्ले, वर्चुअल रियलिटी, होलोग्राफिक प्रोजेक्शन और ध्वनि-प्रकाश शो का उपयोग करता है ।राष्ट्रपति भवन में कुल 340 कमरे हैं ....12 कमरे नदियों के नाम पर रखे गए हैं जिन्हें रामनाथ कोविंद ने रखा है जिनमें से... ब्रह्मपुत्र (24 कैरेट सोने के पेंटिंग से बनी है ..जिसमें अंतर राज्य के मानचित्र पर पता लगाया गया है...)

सरयू कक्ष में...(पुरस्कार दिये जाते है। सारे राष्ट्रीय पुरस्कार) सिवाय राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार और दादा साहब फाल्के पुरस्कार के । वहां आईएएस ,आईपीएस की शपथ ग्रहण समारोह होता है और रात्रि भोजन की व्यवस्था भी रहती है। जिसे ब्रिटिश टाइम से÷ स्टेट बॉल रूम ÷बोला जाता है इस प्रकार की सभी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल की गईछात्र-छात्राओं ने एक विशेष जुनून व तन्मयता के साथ राष्ट्रपति भवन में प्रवेश किया व भवन के नियम व कानून का वहन करते हुए अनुशासित वातावरण में भ्रमण किया गया। यह एक अद्भुत, अविस्मरणीय यात्रा रहा। यह जानकारियां हासिल कर टीम अपने उद्देश्य में कामयाब हुई तत्पश्चात टीम ने मनाली के लिए प्रस्थान किया। शैक्षणिक भ्रमण राष्ट्रपति भवन से शुरुआत कर मनाली ,कुल्लू शिमला की भ्रमण द्वारा अष्ठदिवसीय योजना के साथ शुरुआत की गई है जिसमें पहला उद्देश्य राष्ट्रपति भवन का दौरा पूर्ण हुआ। मनाली पहुंच कर अटल टनल में सभी लोगों ने हैवी स्नो फॉल का भरपूर आनंद लिया । मॉल रोड से होते हुए हिडिंबा देवी टैंपल में दर्शन किए।

अगले दिन कुल्लू से शिमला के लिए प्रस्थान किए वहां का नजारा काफी अच्छा था बच्चों ने खूब आनंद उठाया इस तरह का भ्रमण विद्यार्थियों में शारीरिक ,मानसिक विकास का द्वार प्रशस्त करती है यह जिले का दूसरा विद्यालय है, जिसे राष्ट्रपति भवन का भ्रमण करने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ है। यह भ्रमण विद्यालय प्राचार्या श्रीमती गुरमीत कौर धनजल मैम के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

भगवान श्री शिवरीनारायण जी का दर्शन किया सत्यनारायण शर्मा एवं मैडम मेक्लाउड ने

जांजगीर चांपा / अभिभाजित मध्य प्रदेश एवं छतीसगढ़ राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्यनारायण शर्मा जी एवं पूर्व सांसद मैडम मेक्लाउड ने शिवरीनारायण पहुंचकर भगवान नर नारायण का दर्शन पूजन किया। उनके साथ विधायक जनक राम ध्रुव उपस्थित थे?। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री शर्मा जी का दोपहर 1:00 बजे अपने सहयोगियों सहित शिवरीनारायण आगमन हुआ। उन्होंने मठ मंदिर पहुंचकर भगवान का दर्शन पूजन किया महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर जी महाराज ने उन्हें रोहिणी कुंड एवं मठ मंदिर में विराजित भगवान जगन्नाथ जी का भी दर्शन पूजन कराया। साथ ही उन्हें लंका दहन हनुमान जी का भी दर्शन कराया। श्री शर्मा जी ने कहा कि- शिवरीनारायण एक अति प्राचीन धार्मिक स्थल है, यहां भगवान के दर्शन से पुण्य लाभ तो अर्जित होता ही है विशेष आत्मिक शांति की भी अनुभूति भी होती है। इस अवसर पर रवि शेखर भारद्वाज,निरंजन लाल अग्रवाल, नारायण खंडेलिया, बृजेश केसरवानी रामचरण कर्ष, देबू सेठ जी, शिव शंकर सोनी,सुखराम दास जी, त्यागी जी महाराज, पुरेन्द्र सोनी, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

पामगढ़ पुलिस ने जुआ के दो मामलों मे नव जुआरियों को किया गिरफ्तार

13 280 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश की गड्डी जब्त

जांजगीर चांपा / पामगढ़ पुलिस ने जुआ के दो मामले में नव जुआरियों को गिरफ्तार किया है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर - चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जुआ सट्टा पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा पामगढ़ क्षेत्र के ग्राम कोसीर में रेड कार्यवाही कर जुआ खेल रहे 9 जुआडियानों को पकड़ा । पकड़ा गए जुआरियों में मुकेश केशी उम्र 34 वर्ष निवासी कोसीर थाना पामगढ , नंदकुमार दिनकर उम्र 36 वर्ष निवासी कोसीर थाना पामगढ , प्रेम कुमार लहरे उम्र 31 वर्ष निवासी कोसीर थाना पामगढ , रोशन प्रसाद जांगडे उम्र 38 वर्ष निवासी कोसीर थाना पामगढ , मनोज कुमार बंजारे उम्र 38 वर्ष निवासी डोंगाकोहरौद ,

प्रकाश बांधी उम्र 52 वर्ष निवासी जेवरा थाना मुलमुला ,अजय कुमार लहरे उम्र 32 वर्ष निवासी ढाबाडीह (कोसीर) , अमित कुमार दिनकर उम्र 25 वर्ष निवासी बोहारडीह थाना पचपेडी, राजेश दिनकर उम्र 42 वर्ष निवासी कोसीर थाना पामगढ शामिल है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ, स.उ.नि. रामदुलार साहू, आर. राघवेन्द्र, श्याम सरोज ओग्रे, महेन्द्र राज, चंद्रशेखर कैवर्त, यशवंत पाटले, उमेश दिवाकर, लखेश्वर पाटले विश्वजीत आदिले एवं सैनिक अनिल दिनकर एवं थाना पामगढ स्टाफ का योगदान रहा।

राजेश पालीवाल ने सफल संचालन और आयोजन के लिए समिति की ओर से सम्मानित किया

अग्रसेन भवन नैला के सामने दुर्गोत्सव पंडाल अपने आप में अद्वितीय और आकर्षक था........

जांजगीर-चांपा । नैला दुर्गोत्सव समिति ने इस वर्ष- 2025 में दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर एक भव्य पंडाल का निर्माण किया था जो कि म्यांमार के श्वेत मंदिर और अक्षरधाम के शीश महल की थीम पर पूरी तरह से आधारित था । यह पंडाल अपने आप में एक अद्वितीय और आकर्षक पंडाल और पूरी तरह से खाली जमीन पर बनाया गया था, जो प्रदेश ही नहीं बल्कि भारतवर्ष के कोने-कोने से श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचता था। विदेश में रह रहे श्रद्धालु भक्तों ने भी अपने परिजनों के जरिए लाईव टेलीकास्ट के जरिए भारतीय संस्कृति और पर्व का आनंद उठाया । म्यांमार के श्वेत मंदिर की तर्ज पर आधारित- पंडाल का निर्माण पूर्णतः म्यांमार के श्वेत मंदिर की तर्ज पर कारीगरों ने कड़ी मेहनत करके तैयार किया था ,जो अपनी विशिष्ट वास्तुकला और सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं । पंडाल के अंदर मां जगदम्बा का दरबार अक्षर धाम के शीश महल की थीम पर बनाया गया था ,जो अपनी भव्यता और आकर्षण के लिए जाना जाता है ।

हीरे-जवाहरात,मोती, सोना-चांदी से जड़ित मां दुर्गा की अद्भुत मूर्ति .... राजेश पालीवाल

श्री श्री दुर्गा उत्सव के प्रमुख सेवादार राजेश राजू पालीवाल ने स्वदेश ज्योति ब्यूरो चीफ पवन अग्रवाल को बताया कि मां दुर्गा की प्रतिमा को इस बार हीरे-जवाहरात, मोती, सोना-चांदी से जड़ित आभूषणों से सुसज्जित किया गया था,जो कि उनकी सुंदरता को और भी बढ़ा रहा था । इतना ही नहीं बल्कि मां की प्रतिमा 35 फीट ऊंची थी जो कि अपनी भव्यता और आकर्षण के लिए जानी जाती रही और आज भी इस दिव्य प्रतिमा की लोग गुणगान करते हुए नहीं थक रहे हैंद उन्होंने बताया कि मां की प्रतिमा को कमल में विराजित स्वरुप में बनाया गया था, जो अपनी सुंदरता ,दिव्य साज-सज्जा, लोगों के दर्शन-पूजन करने की सुव्यवस्थित ढंग और आकर्षण के लिए प्रसिद्ध रहा।

सफ ल आयोजन के लिए समिति के सदस्यों ने किया ससम्मान.... नैला दुर्गोत्सव समिति के ऊर्जावान सदस्यों जिसमें मुख्यत राजेश पालीवाल एवं उनकी टीम ने इस वर्ष दुर्गा पूजा के अवसर पर एक सफ ल आयोजन किया ,जिसमें बड़ी संख्या में प्रदेश ही नहीं बल्कि भारतवर्ष के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं ने भाग लिया । दस दिवसीय इस व्यवस्था को संभालने में जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा, पुलिस विभाग,नगर पालिका प्रशासन तथा समिति के कर्मठ सदस्यों के अलावा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनगिनत लोग सहभागी बने । प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने भी सहयोग देकर भरपूर प्रसार किया, समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी दिन-रात मेहनत करके इस आयोजन को सफ्ल बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी और समिति ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का शील्ड देकर सम्मान किया एवं आभार व्यक्त किया।

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

6 से 9 अक्टूबर तक जांजगीर में आयोजित होगी राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता

जांजगीर-चांपा / हाईस्कूल मैदान जांजगीर में सोमवार 6 अक्टूबर को 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ हुआ। चार दिनों तक चलने वाली यह प्रतियोगिता प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा और परिश्रम का साक्षी बनेगी, जहाँ विजेता खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं महात्मा गांधी जी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जांजगीर-चांपा विधायक श्री ब्यास कश्यप ने छत्तीसगढ़ राज्य का खेल ध्वज फहराकर किया।

इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव श्री अम्बेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता मिरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा गढ़ेवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव, श्री हितेश यादव, इंजी. रवि पांडेय तथा पार्षदगण पंकज कहरा, अजीत गढ़वाल, रघु कश्यप, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह और उमेश राठौर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी एवं नागरिक गण उपस्थित थे।

डीएसओ श्री प्रेमलाल पांडेय ने बताया कि प्रदेश के पाँच जोन बिलासपुर, बस्तर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा से आए लगभग 400 खिलाड़ी एवं 100 अधिकारी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता 6 से 9 अक्टूबर तक चलेगी, जिसमें प्रदेशभर के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में कुश्ती फ्री स्टाइल (बालक) 14, 17, 19 वर्ष, कुश्ती फ्री स्टाइल (बालिका) 14, 17, 19 वर्ष एवं कुश्ती ग्रीको रोमन (बालक) 17, 19 वर्ष वर्गों में मुकाबले होंगे।

जांजगीर-चांपा विधायक श्री ब्यास कश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा आप सब छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें, मन लगाकर खेलें और जीत की नहीं, खेल की भावना से भाग लें। अनुशासन और परिश्रम से ही सफलता मिलती है। पूर्व संसदीय सचिव श्री अम्बेश जांगड़े ने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जीत से अभिमान नहीं करना चाहिए, हार से हम सीखते हैं और खुद को बेहतर बनाते हैं। साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता मिरी, नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा गढ़ेवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना को सर्वोपरि बताया। बिलासपुर जोन के जोन प्रबंधक श्री प्रेमलाल पांडेय ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा यह प्रतियोगिता न केवल खेल भावना को बढ़ावा देती है, बल्कि प्रदेश के खिलाड़ियों को एकजुट कर एकता और अनुशासन की मिसाल पेश करती है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा, व्यायाम शिक्षकगण श्री रमेश तिवारी, श्री प्रमोद तिवारी, श्री धीरमन आदित्य, श्री गजेंद्र चौहान, श्री विष्णु यादव, श्री निलेश यादव, श्री संजय यादव, श्री रामकृष्ण परमहंस, श्री अशोक साहू, श्री धनमत महंत, तथा जोन प्रबंधकगण श्री मगनराम मंडावी (बस्तर), श्री कुटल बाघमार (रायपुर), श्री विवेक पांडेय (सरगुजा), श्री जोन मैनेजर (दुर्ग), श्री गोपेश्वर कहरा, श्री राजेश राठौर, और श्री राकेश गढ़ेवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्री दीपक यादव ने किया।

आकर्षक मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन कार्यक्रम में सभी जोनों के खिलाड़ियों ने अनुशासित और जोशपूर्ण मार्च पास्ट प्रस्तुत किया, जिसका नेतृत्व मास्टर ऑफ सेरेमनी श्री रमेश तिवारी ने किया। खिलाड़ियों ने मुख्य अतिथि को सलामी दी और अर्धचंद्राकार में सुव्यवस्थित हुए। राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कु. वर्षा बिंद (बिलासपुर जोन) ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शासकीय कन्या उमावि जांजगीर एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बरगाँव की छात्राओं ने दी।

डोंगरगढ़ से गोंदिया चौथी लाइन परियोजना को स्वीकृति : सांसद पाण्डेय

सांसद संतोष पाण्डेय के प्रयासों से नयी चौथी लाइन स्वीकृति

ज 98 किमी रेल लाइन विस्तार हेतु 2223 करोड़ राशि जारी

मोदी कबिनेट ने दी चार नयी रेल लाइन परियोजना को मंजूरी

राजनांदगांव. केंद्र की मोदी सरकार द्वारा चार महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर रेलवे के क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढाने का कार्य निरंतर जारी है. उसी परिपेक्ष्य में लोकसभा क्षेत्र राजनांदगांव के डोंगरगढ़ से गोंदिया रेल मार्ग पर नए चौथी लाइन को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान कर दी है जिसे हेतु क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय बताया कि डोंगरगढ़ से गोंदिया नयी रेल लाइन बिछाये जाने की मांग वे लोकसभा सत्र में रखे थे जिस पर आज देश के प्रधानमंत्री मोदी जी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव जी द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है. सांसद संतोष पाण्डेय ने बताया की कुल 98 किमी नए रेल बिछाये जायेंगे जिस पर 2223 करोड़ राशि व्यय होगा. मार्ग पर 15 बड़े पुल और 123 छोटे पुल का भी निर्माण होगा साथ ही एक सुरंग, तीन ओवर ब्रिज और 22 अंडर ब्रिज का भी निर्माण किया जावेगा. सांसद पाण्डेय ने आगे बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे देश में माल लदान के लिए हमेशा अग्रिणी रहा है रायगढ़-कोरबा से कोल परिवहन के साथ ही मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग पर यात्री रेल गाडियों के लिए यह रेल लाइन अत्यंत महत्वपूर्ण है. वर्ष भर परिवहन में रेल गाड़ियों का इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव अधिक रहता है. चौथी लाइन के निर्माण हो जाने से माल के परिवहन और यात्री गाडियों के आवागमन में सरलता होगी. सांसद ने आगे बताया कि उक्त परियोजना को पांच वर्ष में पूर्ण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है. केंद्र की मोदी सरकार के आने के बाद से ही रेल को नयी रफ़्तार मिली है, वर्तमान में राजनांदगांव से डोंगरगढ़ के मध्य चौथी रेल लाइन का कार्य जारी है और गत माह पूर्व ही परमालकसा से खरसिया नयी रेल की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है. सांसद संतोष पाण्डेय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है.

डोंगाकोहरौद में अखंड नवधा रामायण सत्संग यज्ञ आज से

जांजगीर चांपा / पामगढ़ के समीपस्थ ग्राम डोंगाकोहरौद में अखंड नवधा रामायण सत्संग यज्ञ आज 8 अक्टूबर से शुरू होगी। यह आयोजन गांव के पुराना सचिवालय परिसर में रखा गया है जो 16 अक्टूबर को मानस कथा विश्राम , चढ़ोत्री व 17 अक्टूबर को हवन सहस्त्रधारा , ब्राम्हण भोज के साथ समाप्त होगी । समस्त ग्रामवासी हिन्दू समाज ने सभी मानस प्रेमियों को मानस गायन के लिए पहुंचने का आग्रह किया है । दूसरी तरफसमिति द्वारा मानस मंडलियों के लिए मार्ग ब्यय की व्यवस्था दूरी की हिसाब से रखा गया है ।

खास खबर

कोरबा में कोल इंडिया की प्रथम पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित स्टोर यूनिट का शुभारंभ

कोरबा । साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में कोल इंडिया का एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ा, जब प्रथम पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित सीडब्लयूएस कोरबा में सेंट्रल स्टोर फॉर स्पेयर पार्ट्स सप्लाई एंड मैनेजमेंट का शुभारंभ किया गया। यह पहल कोयला उद्योग में महिला सशक्तिकरण और कार्यस्थल में उनकी बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह से हुआ। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने फीता काटकर स्टोर यूनिट का उद्घाटन किया। सभी अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल और बुके भेंट कर किया गया।

शांति भंग की आशंका पर बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

बिलासपुर, । जिले की सरकंडा थाना पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं बदमाश प्रवृत्ति के व्यक्तियों पर शांति भंग की आशंका के आधार पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है।

कार्यवाही के तहत नवीन कुमार झा पिता अमरेन्द्र झा उम्र 44 वर्ष निवासी कॉलोनी विहार के सामने शर्मा विहार, खमतराई, मनीष श्रीवास पिता ओमप्रकाश श्रीवास उम्र 35 वर्ष निवासी विद्या मंदिर पुस्तकालय के सामने खपरगंज, थाना कोतवाली, रजा खान पिता ताज खान उम्र 22 वर्ष निवासी मेलापारा, चाटीडीह तथा राम बघेल पिता स्व. छगनलाल बघेल उम्र 21 वर्ष निवासी अमरैया चौक, चिंगराजपारा, सरकंडा के विरुद्ध धारा 170, 126, 135(3) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

(बिलासपुर) धारदार हथियार लहराते हुए लोगों में फैलाया दहशत, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 05.10.2025 को जरिये मुखबिर से सूचना मिला एक व्यक्ति मस्तूरी जोन्धरा चौक के पास दुर्गा विसर्जन के दौरान आम जगह में बटनदार चाकू दिखाकर आने जाने वाले को लोगों को डरा धमका रहा है। जिसकी सूचना पर तत्काल मौके पर ही आरोपी विकास त्रिपाठी उर्फपप्पू पिता केदारनाथ उम्र 39 साल निवासी मस्तुरी थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर के कब्जे से एक स्टील के बटनदार चाकू को गवाहो के समक्ष मुताबिक जप्ती पत्रक जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया उक्त आरोपी को दिनॉक 05.10.2025 को विधिवत गिर. दिनांक 06 .10.2025 को न्यायिक रिमांण्ड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक हरीशचंद्र टांडेकर,उनि सुजान जगत , प्रधान आरक्षक विजय दीप त्रिपाठी , आरक्षक रेशम टंडन, मेहत्तर कश्यप का विशेष भुमिका रही।

कोरबा–चांपा मार्ग के टोल नाका में मिली राहत

0–5 से 20 रुपए तक टोल टैक्स किया गया कम, 31 मार्च तक प्रभावी रहेगी दर

कोरबा नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस बार वित्तीय वर्ष के बीच में ही कोरबा-चांपा मार्ग के टोल नाका से टोल टैक्स की दरें घटा दी है। वाहन चालकों को अब 5 से 20 रुपए तक टोल टैक्स कम देना होगा। जिनसे उन्हें राहत मिली हैं। नई दरें 6 अक्टूबर से 31 मार्च तक प्रभावी रहेंगी। माना जा रहा हैं की इससे लगभग 15 हजार वाहन चालकों को फायदा होगा। हालांकि फायदा उन्हीं चालकों को मिलेगा, जिनके वाहनों में फास्ट टैग लगा है। कोरबा जिलान्तर्गत तीन टोल प्लाजा संचालित है। इसमें उरगा-चांपा रोड, जमनीपाली टोल प्लाजा जुलाई के अंतिम सप्ताह में शुरू किया गया है। जबकि कटघोरा-बिलासपुर रोड पर मदनपुर टोल प्लाजा दो साल से चल रहा है। कटघोरा-अंबिकापुर रोड पर चार साल से टोल प्लाजा चल रहा है। हर साल टोल प्लाजा की दरें 5 प्रतिशत अप्रैल में बढ़ा दी जाती हैं। इस बार यूनिफार्म पॉलिसी (एक समान टोल नीति) के अंतर्गत टोल टैक्स की दरों में कमी की गई है। कार और छोटे व्यवसायिक वाहनों पर 5 रुपए कम किए गए हैं। बस-ट्रक पर 10 रुपए, भारी वाहनों पर 15 रुपए और अत्यधिक बढ़े बहनों पर 20 रुपए तक का टोल टैक्स कम किया गया है। महंगाई दर 2004-05 की बजाय 2011-12 के आधार पर नई दरें प्रस्तावित की गई हैं। कटघोरा होकर बिलासपुर जाने पर 105 किमी के भीतर दो टोल नाका से गुजरना पड़ता है। जिसमे अब बिलासपुर का सफर 10 रुपए तक सस्ता हो जाएगा। ग्राम मदनपुर के आगे लिम्हा में टोल प्लाजा संचालित है।

टोल प्लाजा में फास्ट टैग अनिवार्य कर दिया गया हैं। फास्ट टैग वाले वाहनों को 24 घंटे के भीतर आवाजाही पर 25 प्रतिशत और एक तरफ यात्रा पर 33 प्रतिशत की छूट दी जाती है। फास्ट टैग न होने पर दो गुना टोल टैक्स देना होगा। इसके अलावा वापसी और स्थानीय यात्रा में भी फास्ट टैग होने पर ही रियायत मिलेगी। टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोग कार-जीप के लिए 340 रुपए देकर मासिक पास बनवा सकेंगे। इसमें 10 रुपए की कटौती की गई है। 50 यात्राओं के लिए भी मासिक पास बनेगा। जिले में पंजीकृत स्थानीय वाणिज्यिक वाहनों का शुल्क भी तय है। इस सुविधाओं का लाभ लेकर यात्री कुछ बचत कर सकते हैं। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डी.डी. पार्लावर का कहना है कि टोल टैक्स की दरें पूरे देश में संशोधित की गई हैं। नई दरें लागू हो गई हैं। इसमें 30 प्रतिशत तक कटौती की गई है। यह दर 31 मार्च तक के लिए है। उरगा-चांपा फोरलेन सडक की लागत करीब 1 हजार करोड़ रुपए है। निर्माण पर 630 करोड़ और मुआवजा प्रकरण में 300 करोड़ से अधिक खर्च हुआ है। लागत की वसूली होने के बाद टोल टैक्स की दर 40 प्रतिशत कम की जाएगी। वसूली होने तक हर साल टोल टैक्स में 5 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान है। कटघोरा-पतरापाली सडक की लागत 1362.32 करोड़ है। इसमें सडक निर्माण और मुआवजा शामिल है।

कोरबा सांसद का प्रयास : बीएसएनएल के 22 नए टावर लगाने मिली स्वीकृति

दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक में सदस्य दिनेश सोनी ने रखी थी सांसद की बात

कोरबा संवाददाता।

कोरबा लोकसभा की सांसद श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत की पहल से कोरबा जिले में बीएसएनएल के नेटवर्क को सुदृढ़ करने हेतु 22 जगह नए टावर लगाने की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। शीघ्र ही उस पर कार्य प्रारंभ हो जाएगा और नया टावर लगा दिए जाने से उन क्षेत्रों में बीएसएनएल के उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी।

भारतीय दूर संचार निगम लिमिटेड के कोरबा कार्यालय में पदस्थ सहायक महाप्रबंधक (एजीएम) श्री टोप्पो ने सांसद से मुलाकात कर यह जानकारी दी। सांसद के प्रतिनिधि दिनेश सोनी ने बताया कि कोरबा जिले में पाली ब्लॉक के गांधी चैक, मुनगाडीह, माखनपुर, करतला ब्लॉक के ग्राम फुलसरी, कोरबा ब्लॉक के उरगा, रामपुर, भदरापारा, आरएसएस नगर, मंगल भवन, सुभाष ब्लॉक एसईसीएल, डिंगापुर, तुलसी नगर, चित्रा टॉकीज, सीएसईबी पश्चिम, साडा जमनीपाली, दादर, कटघोरा ब्लॉक के ग्राम झाबर, दीपका कटघोरा रोड, तिवरता, रलिया, अखरापाली,बिरदा, तुमान में नए टॉवर लगाए जाएंगे। यहां गौरतलब है कि कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्स्ना महन्त की तरफ प्रतिनिधि व सदस्य दूरसंचार सलाहकार समिति दिनेश सोनी ने बिलासपुर में आयोजित समिति की 25 अप्रैल 2025 की बैठक में शामिल होकर सांसद की तरफ से बात रखी थी। बीएसएनएल उपभोक्ताओं की सुविधा को अधिक से अधिक बढ़ाए जाने पर विशेष जोर दिया था। सांसद ने कहा है कि कोरबा लोकसभा क्षेत्र के शहर इलाकों में जहां बीएसएनल का नेटवर्क कई बार कमजोर हो जाता है तो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी सुविधा अपेक्षाकृत उपलब्ध नहीं होने के कारण संचार सुविधा का लाभ ग्रामवासियों को नहीं मिल पाता है।

कोरबा कलेक्टर को हटाने की मांग पर झुकी सरकार

कोरबा । **संवाददाता** । छत्तीसगढ़ की राजनीति में रविवार को एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया जब पूर्व गृहमंत्री और वरिष्ठ आदिवासी नेता ननकीराम कंवर को कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफधरना देने से पहले ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया। इस घटनाक्रम से पार्टी को भारी किरकिरी का सामना करना पड़ा, जिसके बाद आखिरकार सरकार और संगठन को झुकना पड़ा। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अनियमितताओं और आदिवासी हितों की उपेक्षा के आरोपों को लेकर कोरबा कलेक्टर को हटाने की मांग कर रहे ननकीराम कंवर को देर शाम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव सिंह ने रायपुर स्थित पार्टी कार्यालय बुलाकर मुलाकात की और उनकी मांग स्वीकार करते हुए धरना समाप्त करने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत को अगले सप्ताह तक हटा दिया जाएगा। धरना स्थगित करने की घोषणा करते हुए ननकीराम कंवर ने मीडिया से कहा, मुख्यमंत्री राजधानी से बाहर हैं, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष का जो आश्वासन मिला है, उस पर हमें पूरा भरोसा है। मुख्यमंत्री अब इस पर अनदेखी नहीं कर सकते। यदि आश्वासन पर अमल नहीं हुआ, तो हमारे पास अन्य लोकतांत्रिक विकल्प खुले हैं। कंवर ने आगे कहा कि वे हमेशा जनता की समस्याओं को लेकर मुखर रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अविभाजित मध्यप्रदेश के समय जब वे मंत्री थे, तब राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 27 प्रतिशत तक पहुंच गया था और अपराध दर में भी गिरावट आई थी।

पूर्व गृहमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष उनके राजनीतिक करियर में बाधा बन रहे हैं और पिछले चुनाव में हराने की साजिश का भी हिस्सा रहे हैं।

कंवर ने यहां तक कह दिया कि

प्रस्तावित निजी कोयला खदान को लेकर ग्रामीणों और राजनीतिक दलों में भारी असंतोष

गोंडवाना गणराज्य पार्टी ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, खदान प्रस्ताव के खिलाफ किया विरोध

कोरबा संवाददाता।

जिले के चोटिया पसान तहसील के पुटीपखना गांव में प्रस्तावित निजी कोयला खदान को लेकर ग्रामीणों और स्थानीय राजनीतिक दलों में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। गोंडवाना गणराज्य पार्टी (जीजीपी) ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर खदान प्रस्ताव के खिलाफ अपने विरोध को स्पष्ट किया और अगर प्रशासन ग्रामीणों की आपत्तियों पर ध्यान नहीं देता है तो आंदोलन छेड़ने की चेतावनी भी दी है।

पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष दीनानाथ आयाम ने तहसीलदार वीरेंद्र कुमार श्याम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि रुगटा संस प्राइवेट लिमिटेड, चाईबांसा को कोल माइंस आवंटित किया गया है। इसके लिए एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा ने पंचायत सचिवों को आदेश जारी कर ग्रामसभा में प्रस्ताव ठहराने के लिए कहा था। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने ग्रामसभा में खुले तौर पर खदान के खिलाफ अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। दीनानाथ आयाम ने चेतावनी दी कि जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए सड़क पर उतरकर संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने कहा, पुटीपखना के लोग खदान का किसी भी रूप में विरोध कर रहे हैं।

बांगो बांध का गेट तीसरी बार खोला जा सकता है

कलेक्टर ने अधिकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने के दिए निर्देश

बांध व नदी के समीपस्थ इलाकों में मुनादी कराने हेतु किया निर्देशित

बाढ़ क्षेत्र से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी’

कोरबा । जलग्रहण क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा के कारण दिनांक 04/10/2025 को शाम 6 बजे मिनीमाता बांगो बांध का जलस्तर 358.10 मीटर एवं जलभराव 90.71 प्रतिशत हो गया है। बांध का जलस्तर एवं जल की आवक लगातार बढ रही है। जलभराव 92 प्रतिशत के आसपास होने पर या जल की अत्यधिक मात्रा में आवक होने पर मिनीमाता बांगो बांध के गेट पुनः तृतीय बार खोले जा सकते हैं।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले में हो रही बारिश को ध्यान में रखते हुए बाढ़ की स्थिति के नियंत्रण हेतु सभी एसडीएम को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य, विद्युत एवं अन्य लाइन डिपार्टमेंटल अधिकारी कर्मचारियों को सक्रियता से कार्य करने निर्देशित किया है। उन्होंने बांध एवं नदी के समीपस्थ इलाकों से चल अचल परिसम्पत्तियों को हटाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रो में मुनादी कराने के भी निर्देश दिए हैं।

कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांगों बांध संभाग क्र. 3 माचाडोली श्री धमेन्द्र निखरा (मो-7089042603) ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों से बांध से नीचे एवं हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का आग्रह किया है। साथ ही बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर निकालना सुनिश्चित कर लें। अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

नराईबोध–भठोरा में जबरदस्त विरोध ग्रामीण सड़क खोदने के खिलाफडटे, विस्थापन की समस्याओं के समाधान की मांग

कोरबा कोरबा जिले को अन्य जिलों से जोड़ने वाली नराईबोध-भठोरा मुख्य मार्ग पर एसईसीएल (एसईसीएल) द्वारा कोयला खदान विस्तार के लिए खनन कार्य शुरू करने के खिलाफप्रभावित गांवों के ग्रामीणों ने जबरदस्त और अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है ग्रामीण, एसईसीएल, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई के बावजूद, मुख्य सड़क को खोदने का पुरजोर विरोध कर रहे हैं ।

सड़क की गुणवत्ता और अधूरे वादे बने विरोध का कारण ग्रामीणों का कहना है कि एसईसीएल द्वारा पूर्व में बनाई गई वैकल्पिक सड़कें गुणवत्ताहीन और बेहद खराब हैं, जो चार दिन में ही उखड़कर खत्म हो जाएंगी उन्होंने मांग की है कि खनन कार्य शुरू करने से पहले उच्च गुणवत्ता वाली स्थायी सड़क का निर्माण किया जाए ।

विरोध का मुख्य कारण सिर्फ सड़क ही नहीं है, बल्कि विस्थापन से जुड़ी गंभीर और अनसुलझी समस्याएं भी हैं ग्रामीणों का आरोप है कि रोजगार, मुआवजा, बसाहट और मुआवजे में कटौती जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एसईसीएल ने अभी तक कोई संतोषजनक समाधान नहीं किया है ।

ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है पहले हमारी विस्थापन से जुड़ी सभी समस्याओं का निराकरण कर हल किया जाए और मुआवजे में कटौती को तुरंत बंद किया जाए उसके बाद ही खनन कार्य को विस्तार दिया जाए ।

प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल

प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं उनका आरोप है कि दोनों ही प्रशासन एसईसीएल का साथ दे रहे हैं और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने में नाकाम हो रहे है ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन को पहले उनकी मांगों को सुनना और हल करना चाहिए, न कि सीधे खनन कंपनी का पक्ष लेना चाहिए ।

इस विरोध प्रदर्शन के कारण मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित हो सकता है ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता और विस्थापन से जुड़ी समस्याओं का स्थाई निराकरण नहीं होता, उनका धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा ।

कुलदीप राठौर (सांसद प्रतिनिधि) का जिला प्रशासन, पुलिस और एसईसीएल पर कड़ा प्रहार

सांसद प्रतिनिधि कुलदीप राठौर ने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि वे जिस तरह एसईसीएल (ैम्ब्स्) का सहयोग कर रहे हैं, वह घोर आपत्तिजनक है हमारा यह साफ मानना है कि प्रशासन का पहला और परम दायित्व क्षेत्र के आम ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण होना चाहिए जब तक ये समस्याएं हल नहीं होतीं, तब तक प्रशासन को खदान विस्तार में एसईसीएल को किसी भी प्रकार का सहयोग तत्काल प्रभाव से बंद कर देना चाहिए ।

एसईसीएल द्वारा मुख्य मार्ग को खनन करके आम जनमानस की आवाजाही को बाधित करने की जो कोशिश की जा रही है, वह जनता के अधिकारों का खुला हनन है हम इस जनविरोधी कदम की कड़े शब्दों में निंदा और भर्त्सना करते हैं यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

हम एसईसीएल और प्रशासन को चेतावनी देते हैं कि यदि उन्होंने अपनी कार्यशैली नहीं बदली और जनता की समस्याओं को अनदेखा किया, तो आने वाले दिनों में हम क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर इसका कड़ा और व्यापक विरोध करेंगे जनहित से समझौता नहीं होगा ।

उरगा–कुसमुंडा नई रेल लाइन पर माल यातायात परिवहन की मिली अनुमति

कोरबा । दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत उरगा से कुसमुंडा तक 12.637 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत ब्रॉडगेज रेल लाइन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह रेल खंड छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेल कॉरिडोर (गेवरा रोड-पेंड्रा रोड) नई रेल परियोजना का महत्वपूर्ण अंग है। इस नई रेल लाइन के शुरू होने से क्षेत्र में माल यातायात की क्षमता और सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि और उद्योगों एवं कोयला उत्पादन क्षेत्रों को निर्बाध परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। अब गाड़ियाँ उरगा से सीधे कुसमुंडा तक चल सकेंगी, जिससे कोरबा स्टेशन में भीड़-भाड़ में कमी आएगी। 29 सितंबर को उच्च स्तरीय समिति द्वारा इस नवनिर्मित रेल खंड का निरीक्षण किया गया, जिसमें प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी सम्मिलित हुए। समिति द्वारा जारी ज्वाइंट सेफ्टी सर्टिफिकेट में यह प्रमाणित किया गया कि यह खंड माल यातायात परिचालन के लिए पूर्णतः सुरक्षित है। रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 22(1) के अंतर्गत आवश्यक प्रावधानों के अनुपालन के पश्चात, दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा 30 सितंबर को इस खंड को माल यातायात परिचालन हेतु अधिकृत किया गया। इस रेल लाइन पर प्रारंभिक अधिकतम गति सीमा 30 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है, जिसे चरणबद्ध रूप से 75 किमी प्रति घंटा तथा बाद में 110 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाया जाएगा। इस नवनिर्मित रेल लाइन के शुरू होने से छत्तीसगढ़ राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी, खनिज संपदा का परिवहन तेज एवं सुगम होगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने गौरेला-मरवाही-पेंड्रा जिला प्रवास के दौरान आज कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी मां स्वर्गीय श्रीमती चंपावती डेका के नाम पर कदम्ब पौधा का रोपण किया।

भारतीय जनता पार्टी ने रायपुर जिले के नए पदाधिकारियों की सूची जारी

रायपुर, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी ने रायपुर जिले के नए पदाधिकारियों की सूची जारी की है। यह घोषणा भाजपा रायपुर जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को की गई। इस सूची को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय किरण सिंह देव और प्रदेश महामंत्री (संगठन) माननीय पवन साय की सहमति प्राप्त है घोषणा के अनुसार, भाजपा ने संगठनात्मक मजबूती और कार्यक्षमता को ध्यान में रखते हुए कुल 32 पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। उपाध्यक्ष पद पर सत्यम दुवा, ललित जयसिंग, अकबर अली, सुभाष अग्रवाल, नवीन शर्मा और जितेन्द्र धुरंधर को नियुक्त किया गया है। वहीं, महामंत्री के रूप में अमित मैशेरी और गुंजन प्रजापति को जिम्मेदारी तय की गई है। मंत्री पद पर तुषार चोपड़ा, संजय तिवारी, धध्दा मिथा, रम्भा चौधरी, अर्चना हुकरे और सरोज साहू को शामिल किया गया है। पद्मा दुबे को कोषाध्यक्ष, अनिता देवांगन को कार्यालय मंत्री और चुडामणी निर्मलकर, अनुप खेलकर को सह-कार्यालय मंत्री बनाया गया है। मीडिया और आईटी विभाग में भी नियुक्तियां की गई हैं, जिनमें रोहित द्विवेदी को मीडिया प्रभारी, राजकुमार राठी और विकास मिथा को सह-मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। सोशल मीडिया की कमान विशाल भरा को दी गई है, जबकि रोहित भारद्वाज, अभिषेक श्रीवास्तव और रविन्द्र सिंह ठाकुर को सह-सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

जिले में एक जून से अब तक 17161.5 मिमी वर्षा

जशपुरनगर, (आरएनएस)। जशपुर जिले में 01 जून से अब तक 17161.5 मिमी वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 06 अक्टूबर तक की स्थिति में 10862.7 मिमी औसत वर्षा हुई है। बीते दिवस जिले में 18.6 मिमी वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से अब तक तहसील जशपुर में 1243.9 मिमी, मनोरा में 1368.9 मिमी, कुनकुरी में 1532.0 मिमी, दुलदुला में 6996.4 मिमी, फरसाबहार में 808.5 मिमी, बगीचा में 1183.3 मिमी, कांसाबेल में 1022.4 मिमी, पत्थलगांव में 977.4 मिमी, सन्ना में 1269.4 मिमी एवं बागबहार में 759.3 मिमी वर्षा हो चुकी है। सर्वाधिक वर्षा दुलदुला में दर्ज की गई है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बैकुण्ठपुर आकांक्षी ब्लॉक में विकास योजनाओं की समीक्षा की

स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सेवाओं पर विशेष ध्यान, फील्ड निरीक्षण के निर्देश

रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कोरिया के कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बैकुण्ठपुर आकांक्षी ब्लॉक में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। श्री डेका ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि केवल बैठकों और रिपोर्ट पर निर्भर न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र विकास की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं हैं। राज्यपाल ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 40 संकेतकों के अनुसार कार्यों की समीक्षा की।

राज्यपाल ने कहा कि कुपोषण, महिला स्वास्थ्य और कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर पर लगातार काम करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी और स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ, साफ पेयजल और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कुपोषण, एनीमिया जैसी गम्भीर बीमारियों के रोकथाम के लिए लगातार गांवों का दौरा करें और समुचित समाधान करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने ग्रामीणों को बंजर भूमि पर डबरी निर्माण, बागवानी और सब्जी की खेती के माध्यम से जीवन स्तर सुधारने और आर्थिक लाभ बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों के अध्ययन के लिए घरों में विशेष कक्ष तैयार करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करने की सलाह दी।

फोटो प्रदर्शनी और 'कोरिया अमृत' लोगो का विमोचन

श्री डेका ने कलेक्ट्रेट परिसर में फोटो प्रदर्शनी और आजीविका मिशन स्टाल का अवलोकन किया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों के प्रचार के लिए तैयार किए गए 'कोरिया अमृत' लोगो का विमोचन किया। साथ ही रुद्राक्ष का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार मेहनत और सक्रिय निगरानी जारी रखी जाए।

आरंग में बजरंग केमिकल कंपनी के कर्मचारियों का प्रदर्शन, वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे

आरंग/रायपुर, अक्टूबर (आरएनएस)। रायपुर जिले के आरंग क्षेत्र में स्थित बजरंग केमिकल डिस्टिलरी कंपनी के कर्मचारियों ने सोमवार को वेतन वृद्धि की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें मात्र 200 रुपये दैनिक मजदूरी पर 8 घंटे काम कराया जा रहा है, जो वर्तमान समय में बेहद अपर्याप्त है। सुबह से ही बड़ी संख्या में कर्मचारी कंपनी परिसर के बाहर सड़क पर बैठकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करा रहे हैं। प्रदर्शन में महिलाओं की भागीदारी भी विशेष रूप से देखने को मिली, जो अपने हक के लिए आवाज़ बुलंद कर रही हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से कम वेतन की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक कंपनी प्रबंधन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लिहाजा, वे मजबूर होकर विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य हुए हैं। खबर लिखे जाने तक कंपनी प्रबंधन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। प्रदर्शनकारी कर्मचारी तब तक आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं जब तक उनकी मांगों पर गौर नहीं किया जाता। स्थिति पर स्थानीय प्रशासन की भी निगरानी बनी हुई है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम जनता की समस्याएं

जशपुरनगर,। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों का गंभीरता से अवलोकन किया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को इनका समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक आवेदक को उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ जनसमस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान देने को कहा।

युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की राह आसान बना रहा है नव संकल्प शिक्षण संस्थान

सीजीपीएससी में 60,एसएससी जनरल ड्यूटी में 50 और व्यापम में 90 युवा कर रहे हैं परीक्षाओं की तैयारी

जशपुरनगर, संवाददाता। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा संचालित नव संकल्प शिक्षण संस्थान आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं के लिए नई राह और नई उम्मीद लेकर आया है। यह संस्थान न केवल गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है, बल्कि कई युवाओं ने यहां से तैयारी कर सरकारी नौकरियों में सफलता भी हासिल की है। संस्थान में प्रशिक्षण के साथ आवास एवं भोजन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। वर्तमान में यहां सीजीपीएससी, एसएससी जनरल ड्यूटी और व्यापम की प्रतियोगी परीक्षाओं की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। इनमें 60 छात्र-छात्राएं सीजीपीएससी, 50 एसएससी जनरल ड्यूटी और 90 व्यापम परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। संस्थान में प्रतियोगी छात्रों की क्षमता बढ़ाने के लिए साप्ताहिक टेस्ट का आयोजन कर उन्हें लगातार आंका और सुधार किया जाता है। सीजीपीएससी परीक्षार्थियों के लिए मुख्य परीक्षा की तैयारी पर विशेष रूप से जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही यूपीएससी एवं पीएससी से चयनित जिला स्तरीय अधिकारी समय-समय पर यहां आकर मार्गदर्शन देते हैं।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर कुलियों का विरोध जारी बैटरी वाहन सेवा को बताया आजीविका पर हमला

रायपुर, संवाददाता ।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए शुरू की जा रही बैटरी चालित वाहन सेवा को लेकर लाइसेंसी कुलियों का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। बड़ी संख्या में कुली प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर इकट्ठा होकर प्रदर्शन करते नजर आए। उनका कहना है कि यह सुविधा उनके पारंपरिक कार्य और आजीविका के लिए बड़ा खतरा बन गई है। रेलवे लाइसेंसी पोर्टर्स मजदूर सहकारी संस्था मर्यादित, रायपुर के बैनर तले हो रहे इस विरोध प्रदर्शन में कुलियों ने रेलवे प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक ओर तो रेलवे आधुनिकीकरण और निजीकरण की बात कर रहा है, वहीं दूसरी ओर इसका खामियाजा उन्हें अपनी रोजी-रोटी गंवाकर भुगतना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि बैटरी चालित वाहनों की निःशुल्क सेवा उपलब्ध होने के बावजूद यात्रियों से प्रति व्यक्ति ?50 और प्रति सामान ?30 लिए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर ठेकेदारी के माध्यम से निजी कंपनी को फायदा पहुंचा रहा है। इससे न केवल उनका कार्यक्षेत्र सीमित हो रहा है, बल्कि आर्थिक रूप से भी वे बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

रेलवे द्वारा पहले दिए गए आश्वासन अधूरे कुलियों ने आरोप लगाया कि रेलवे ने पूर्व में उनके लिए कई सामाजिक सुरक्षा उपायों की घोषणा की थी, जैसेः बच्चों को रेलवे स्कूलों में मुफ्त शिक्षा, परिवार को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, साल में चार वर्दियां और विश्राम के लिए आधुनिक सुविधा वाले रेस्ट हाउस ड्ड लेकिन इनमें से कोई भी सुविधा अभी तक धरातल पर नहीं उतरी है। कुलियों ने यह भी बताया कि वे पहले ही 22 सितंबर को मंडल रेल प्रबंधक को ज्ञापन सौंप चुके हैं, जिसमें निविदा रद्द करने और उनके रोजगार को सुरक्षित रखने की मांग की गई थी। शुरू में उन्हें भरोसा दिलाया गया कि उनके हितों का ध्यान रखा जाएगा, लेकिन बाद में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई।

आंदोलन को मिल रहा राजनीतिक समर्थन – कुलियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के साथ मिलकर अपनी लड़ाई को तेज करेंगे। वे शांतिपूर्ण आंदोलन, धरना, प्रेस वार्ता और ज्ञापन के माध्यम से रेलवे प्रशासन पर दबाव बनाएंगे।

कुलियों की प्रमुख मांगें:

बैटरी चालित वाहनों की निविदा को तत्काल रद्द किया जाए पारंपरिक कार्य पर लगे कुलियों को रोजगार का संरक्षण दिया जाए। यदि आधुनिक सेवा जारी रखनी है, तो 2003 की तर्ज पर कुलियों को रेलवे में समायोजित किया जाए। पूर्व में घोषित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को शीघ्र लागू किया जाए। फिलहाल, रेलवे प्रशासन की ओर से इस विरोध पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन कुलियों का विरोध आने वाले दिनों में और व्यापक रूप ले सकता है।

प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने लिया रानी सती दादी एवं परम पूजनीय अरुणा दीदी से आशीर्वाद

रानी सती दादी मंदिर में हैं भक्तिमय वातावरण

धमतरी, । शहर के महेंद्रा शोरूम के सामने स्थित रानी सती दादी मंदिर में इन दिनों आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष संचार देखने को मिल रहा है, मंदिर परिसर में चल रहे प्रवास के अंतर्गत परम पूजनीय श्री अरुणा दीदी की उपस्थिति ने सम्पूर्ण क्षेत्र को भक्ति और श्रद्धा से सराबोर कर दिया है, दूर-दूर से श्रद्धालु उनके दर्शन और आशीर्वाद के लिए मंदिर पहुंच रहे है। इसी आध्यात्मिक वातावरण के मध्य मंदिर में एक नवीन हॉल निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया। यह हॉल आने वाले समय में धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए एक सशक्त केंद्र बनेगा।

भूमि पूजन विधिवत मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुआ। परम पूजनीय श्री अरुणा दीदी ने उपस्थित जनसमूह को अपने आशीर्वचन दिए, जिसमें उन्होंने सेवा, संयम और सच्ची श्रद्धा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना और सेवा ही परमात्मा तक पहुंचने का मार्ग है। उन्होंने नगरवासियों से समाज में एकता बनाए रखने, पर्यावरण की रक्षा करने और मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानने का आह्वान किया। इस विशेष अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू भी मंदिर पहुंचीं। रंजना साहू ने सर्वप्रथम रानी सती दादी के दर्शन कर नगर की खुशहाली, समृद्धि और स्वच्छता के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात उन्होंने परम पूजनीय श्री अरुणा दीदी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किए। श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि रानी सती दादी और परम पूजनीय श्री अरुणा दीदी की दिव्य उपस्थिति हमारे नगर के लिए सौभाग्य का प्रतीक है, इनसे मिलने वाला आशीर्वाद न केवल हमें आत्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि पूरे नगर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि धार्मिक स्थलों का संरक्षण और उनका विकास, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना के लिए अत्यंत आवश्यक है। रानी सती दादी मंदिर में बनने वाला नया हॉल आने वाले समय में समाज को जोड़ने का माध्यम बनेगा। इस अवसर पर महापौर श्री रामू रोहरा, सभापति श्रीमती कौशल्या देवांगन, नगर निगम के पार्षदगण और अन्य सामाजिक गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

धमतरी पुलिस ने दबोचे 9 जुआरी, 2.60 लाख से अधिक की सामग्री जब्त

जंगल में चल रहा था जुए का खेल

धमतरी, संवाददाता

जिले के बेंदरानवागांव के जंगल क्षेत्र में जुआ खेल रहे 09 लोगों को धमतरी पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दो दिन तक ड्रोन से निगरानी के बाद की गई, जहां हाथियों के विचरण क्षेत्र को सुरक्षित समझते हुए आरोपी जंगल के भीतर जुआ खेल रहे थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग ताश की बाजी लगाकर अवैध जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना रूद्री की पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर कुछ आरोपी भागने लगे, लेकिन मुस्तैदी से की गई कार्रवाई में सभी 09 आरोपियों को मौके पर पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से ?40,200 नकद, ताश की एक गड्डी, पीले रंग की तालपत्री, 08 मोबाइल (जिसमें 07 स्मार्टफोन और 01 कीपैड मोबाइल शामिल है), 03 मोटरसाइकिल और 01 स्कूटी जब्त की है। जब्त की गई कुल सामग्री की अनुमानित कीमत ?2,60,200 बताई जा रही है। आरोपियों के खिलाफ थाना रूद्री में छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम की धारा 03(2) के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार किए गए जुआरियों में ऋषभ अजमानी, अनमोल उर्फ सौरभ ज्ञानचंदानी, राजीव मीनपाल, संतोष सोरी, संतोष निर्मलकर, मनोज साहू, सावन उर्फ गुड्डू यादव, हरिश पवार और श्यामलाल ध्रुव शामिल हैं, जो सभी धमतरी व आसपास के क्षेत्रों के निवासी हैं।

धमतरी पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जुआ, सट्टा, अवैध शराब और मादक पदार्थों की रोकथाम पर विशेष फोकस किया गया है। इस कार्रवाई को पुलिस की सतर्कता और तकनीकी सहायता से मिली एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

बलरामपुर में आरटीओ बेरियर पर हमला

पुरानी रंजिश में उप निरीक्षक और ड्राइवर से मारपीट, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर, जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां आरटीओ बेरियर पर ड्यूटी पर तैनात परिवहन उप निरीक्षक और उनके निजी चालक पर बदमाशों ने अचानक धावा बोल दिया। इस हमले में बदमाशों ने गाली-गलौच करते हुए लोहे के कड़े से मारपीट की, जिससे दोनों को चोटें आई हैं। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। घटना रात करीब 10 बजे की है जब परिवहन उप निरीक्षक सिद्धार्थ पटेल और प्रधान आरक्षक कौशल साहू ञ्च्रह्लह्र बेरियर पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। तभी चंदन यादव, कैलाश यादव, उपेंद्र उर्फ गोलू यादव समेत सात-आठ लोगों का समूह वहां पहुंचा। इन लोगों ने पहले पुराने विवाद को लेकर बहस शुरू की और फिर अचानक कार्यालय परिसर में घुसकर मारपीट पर उतर आए। आरोपियों ने सिद्धार्थ पटेल और उनके चालक ओमप्रकाश राजवाड़े पर लोहे के कड़े से हमला किया। सूचना मिलते ही बसंतपुर पुलिस मौके पर पहुंची और तीन आरोपियों – कैलाश यादव, उपेंद्र यादव और रंजन रवि – को पकड़ लिया। एक नाबालिग भी हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हमला एक पुराने विवाद का नतीजा है। दरअसल, 1 जनवरी 2025 को चंदन यादव ने अपने वाहन को तेज रफ्तार में बेरिकेट पर चढ़ा दिया था, जिस पर वहां ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों से उसकी बहस हो गई थी। उसी रंजिश के चलते चार अक्टूबर को आरोपियों ने दोबारा हमला किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाउस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।

www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)